राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 07
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 07 दिसंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट
पेज 3 आकाश आनंद ने नोएडा में अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया
पेज 4 पीलीभीत विधानसभा में बिजली व्यवस्था मजबूत बनाने की तैयारी
पेज 6 चोट के बाद वापसी को तैयार रियान पराग, बोले- फिर से टीम

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र में नाबालिग लड़की को किडनैप कर रेप किया, मुख्य आरोपी और 2 कैफे मालिक गिरफ्तार

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर में एक 18 साल के युवक को नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ रेप करने के मामले में गिरफ्तार किया है। यह घटना 4 दिसंबर को एक कैफे में हुई थी। पुलिस ने शिकायत मिलते ही कुछ घंटों में लड़की को ढूंढ लिया और मुख्य आरोपी रिहान गुलाब शेख को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उस कैफे के दो मालिकों को भी पकड़ा है, जहां यह अपराध हुआ। इस मामले में बीएनएस, पॉक्सो और अत्याचार निवारण एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

एयरपोर्ट पर यात्रियों में मारपीट, लात-घूंसे चले

नई दिल्ली। क्रू मेंबर की कमी का सामना कर रही इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट्स कैंसिल होने से लगातार पांचवें दिन लोग परेशान हैं। एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी है। कई जगह परेशान पैसेंजर्स ने जमकर हंगामा किया। एयरपोर्ट पर सूटकेस के ढेर पड़े हैं। 3 से 4 दिनों से लोगों को सामान नहीं मिला है। फ्लाइट का इंतजार कर रहे लोगों ने जमीन पर रात गुजारी। फ्लाइट कैंसिल होने के चलते बेंगलुरु एयरपोर्ट पर यात्री रोते नजर आए। इधर लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्री लाइन में खड़े होने के विवाद में आपस में भिड़ गए। उधर बेंगलुरु एयरपोर्ट पर एक यात्री के साथ आई बिल्ली भी फ्लाइट के इंतजार में परेशान नजर आई।

हैप्पी मॉर्निंग

एक अंकल ने पप्पू से पूछा – पढ़ाई कैसी चल रही है...?
पप्पू ने जवाब दिया – अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं,
बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाते हैं,
चुल्लू भर नंबर आते हैं,
उसी में डूब कर मर जाते हैं...!

शायरी

इतना तो मजनू भी नही पिटा था
लैला के प्यार में,
जितना 'फलाने' पिट गये
'फला' सरकार में.

अर्थसार

सेंसेक्स:
85,712.37
+447.05 (0.52%)
निफ्टी:
26,186.45
+152.70

मौसम

अधिकतम : 24 डिग्री से0
न्यूनतम : 08 डिग्री से0
सूयोदय सोमवार : 7 : 05
सूर्यास्त रविवार : 5 : 26

गोवा के नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट, 23 की मौत

मरने वालों में 3-4 टूरिस्ट समेत ज्यादातर क्लब स्टाफ; आज एफएसएल टीम जांच करेगी

पणजी। गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट होने से 23 लोगों की मौत हो गई। घायलों की संख्या अभी सामने नहीं आई है। पुलिस के मुताबिक आग रात करीब 12 बजे लगी।

घटना की सूचना मिलते ही गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और लोकल एमएलए माइकल लोबो मौके पर पहुंचे। सीएम ने बताया कि मरने वालों में तीन महिलाएं और 3-4 टूरिस्ट शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि तीन की मौत जलने और बाकी लोगों की मौत दम घुटने से हुई है। हादसे की पूरी जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल शुरुआती जानकारी से पता चला है कि नाइट क्लब ने फायर

सेफ्टी नियमों का पालन नहीं किया गया था। मौके पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों से क्लब में लगी आग पर काबू पा लिया गया है।

घटनास्थल पर प्रशासन के सीनियर अधिकारी मौजूद हैं। आज सुबह फॉरेंसिक टीम आग लगने की असल वजह की जांच करेगी।

किचन से शुरू हुई आग, सीढ़ियों पर मिले शव

गोवा के डीजीपी आलोक कुमार ने बताया कि 23 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मरने वालों में ज्यादातर क्लब में काम करने वाले कर्मचारी थे। डीजीपी ने कहा- आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर में बनी रसोई से क्लब के दूसरे हिस्सों में फैली। इसलिए सबसे ज्यादा शव किचन एरिया से मिले हैं। भागने की कोशिश में दो लोगों की मौत सीढ़ियों पर हुई।

सीएम सावंत बोले- जिम्मेदारों पर एक्शन लेंगे

सीएम सावंत ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आज का दिन गोवा के लिए बहुत दुखद है। अरपोरा में लगी भीषण आग में 23 लोगों की मौत हो गई। मैं बेहद दुखी हूं और इस कठिन समय में सभी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने मौके पर जाकर हालात देखे और इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि आग कैसे लगी और क्या वहां फायर सेफ्टी और बिल्डिंग के नियमों का सही तरह पालन किया गया था या नहीं। जो भी इस घटना के लिए जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मस्जिद आधारशिला

मुर्शिदाबाद में बेलडांगा रेलवे स्टेशन के पास सुरक्षाकर्मी तैनात। निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद की आधारशिला रखी, जिससे राज्य में राजनीतिक तापमान बढ़ गया है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में पेश नहीं हो सका गवाह, सुनवाई टली

नई दिल्ली। ठाणे जिले के भिवंडी की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई शनिवार को 20 दिसंबर तक स्थगित कर दिया। अदालत ने मामले में एक महत्वपूर्ण गवाह पेश नहीं होने के कारण यह निर्णय लिया। राहुल के खिलाफ मानहानि का यह मामला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक ने दायर किया था। राहुल के वकील नारायण अय्यर ने स्थगन की पुष्टि करते हुए बताया कि गवाह, अशोक सायकर व्यक्तिगत कारणों से उपस्थित नहीं हो सके। सायकर इस समय सोलापुर के बार्शी में पुलिस उपाधीक्षक हैं। सायकर का बयान अब 29 दिसंबर को दर्ज किया जा सकता है। उनकी गवाही महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने 2014 में पुलिस उप निरीक्षक के रूप में इस निजी मानहानि मामले की प्रारंभिक जांच की थी। सायकर की ओर से पेश रिपोर्ट के आधार पर ही अदालत ने बाद में भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा-500 के तहत राहुल के खिलाफ समन जारी किया था।

बंगाल में निलंबित टीएमसी विधायक ने बाबरी की नींव रखी

मौलवियों के साथ फीता काटा; 2 लाख से ज्यादा लोग मस्जिद के लिए ईंट लेकर पहुंचे

मुर्शिदाबाद/कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की।

इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी।

बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था।

कार्यक्रम को लेकर बेलडांगा समेत आसपास का इलाका आज सुबह से हाई अलर्ट पर है।

बेलडांगा और उसके आसपास सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ, स्थानीय

पुलिस की कई टीमों समेत 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं।

हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को कहा था कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे।

टीएमसी ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

हुमायूं कबीर बोले- मस्जिद निर्माण रोकने की साजिशें रची गई

कार्यक्रम से पहले हुमायूं कबीर ने शनिवार को कहा था कि हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें रची जा रही हैं, लेकिन मैं बेलडांगा में मस्जिद की नींव रखूंगा। कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे।

हाईकोर्ट ने मस्जिद निर्माण पर रोक से इनकार किया था

कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने से इनकार किया था। कोर्ट ने कहा- कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद हुमायूं कबीर ने मस्जिद की नींव रखी।

अनिल अंबानी ग्रुप की 1120 करोड़ की प्रॉपर्टीज अटैच

अब तक 10,117 करोड़ की संपत्ति जब्त; मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालन ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों की 1,120 करोड़ रुपए की नई संपत्तियां अटैच की हैं। इसके साथ ही समूह के खिलाफ अब तक 10,117 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की जा चुकी है।

ईडी के अनुसार, ताजा कार्रवाई में मुंबई के बॉलार्ड एस्टेट स्थित रिलायंस सेंटर, फिक्स डिपॉजिट, बैंक बैलेंस और अनलिस्टेड निवेश सहित 18 संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की गई हैं। इसके साथ ही रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की 7, रिलायंस पावर की 2 और रिलायंस वैल्यू सर्विसेज की 9 संपत्तियां भी फ्रीज की गई हैं।

ईडी ने समूह की अन्य कंपनियों के एफडी और निवेश भी अटैच किए हैं, जिनमें रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फाई मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

इससे पहले बैंक लोन फ्रॉड से जुड़े मामलों में ईडी रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और रिलायंस होम फाइनेंस की 8,997 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियां अटैच कर चुका है।

महादेव सट्टा एप में 3000 नेता, अफसर और पत्रकार जांच के घेरे में

रायपुर। महादेव आनलाइन सट्टा एप नेटवर्क पर छत्तीसगढ़ पुलिस का शिकंजा लगातार कस रहा है। दुर्ग पुलिस ने 3,000 संदिग्ध लोगों की सूची तैयार की है। इन लोगों की मोबाइल गतिविधियों, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल वालेट की गहन निगरानी की जा रही है, क्योंकि जांच में इनकी सट्टा कारोबार में संलिप्तता का संदेह है।

इस हाई-प्रोफाइल सूची में स्थानीय नेताओं, सरकारी अफसरों, कर्मचारियों के साथ-साथ कुछ पत्रकारों के नाम भी शामिल हैं। इस मामले में अब तक 70 एफआइआर दर्ज की गई हैं और 300 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले की जांच सीबीआइ और ईडी भी कर रही है।

छत्तीसगढ़ पुलिस ने तैयार की संदिग्धों की सूची

बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारी

दुर्ग के एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि अपराध में शामिल किसी व्यक्ति को राजनीतिक, सामाजिक या प्रशासनिक प्रभाव के आधार पर राहत नहीं मिलेगी। आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी, संपत्ति जब्ती और आर्थिक अपराध की कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि महादेव सट्टा एप केस आनलाइन सट्टेबाजी और धन शोधन रैकेट जुड़ा है।

इसकी जड़ें मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से जुड़ी हैं। यह आनलाइन प्लेटफार्म है जो क्रिकेट, फुटबाल और अन्य खेलों पर सट्टा लगाने के लिए आइडी प्रदान करता है। इस एप के मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल हैं, जो भिलाई के निवासी हैं और दुबई से इस पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहे हैं।

हरियाणा लाडो लक्ष्मी योजना, 25 हजार फर्जी आवेदन पकड़े

जेंट्स ने लेडीज की फोटो लगा फॉर्म भरा; पंजाब, यूपी-राजस्थान की महिलाओं ने भी 2100 मांगे

चंडीगढ़। हरियाणा में महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए वाली लाडो लक्ष्मी स्कीम के लिए पुरुष ने भी आवेदन कर दिया। उन्होंने नाम-पता तो अपना भरा लेकिन फोटो महिला की लगा दी। इसके अलावा पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान की महिलाओं ने भी अप्लाई कर दिया।

ऐसे एक-दो मामले नहीं बल्कि करीब 25 हजार केस सामने आए हैं। जो वैरिफिकेशन के वक्त पकड़े गए। सरकार ने इन आवेदनों को अब रिजेक्ट कर दिया गया है। इसके अलावा स्कीम से जुड़े अधिकारियों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है कि कहीं

कोई फर्जी व्यक्ति इसका लाभ न उठा सके।

सरकार के मुताबिक 30 नवंबर तक इस स्कीम के लिए 9 लाख 592 महिलाओं ने आवेदन किया था। यहीं सरकार का माथा ठनका क्योंकि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 7 लाख महिलाएं ही स्कीम की नियम-शर्तों के दायरे में आते हैं।

फर्जी आवेदन से जुड़े 2 मामले...

फोटो महिला की, आवेदन पुरुष कर रहा : हरियाणा सरकार ने आवेदनों की वैरिफिकेशन शुरू की तो 1,237 आवेदन ऐसे मिले, जिनमें फोटो तो महिलाओं की लगी थी लेकिन आवेदन करने वाला पुरुष था। उन्होंने महिलाओं की फेक आईडी लगाई और एप्लिकेशन भर दी।

हरियाणा से सटे जिलों से महिलाओं का आवेदन : हैरत की बात ये है कि हरियाणा सरकार की इस स्कीम का लाभ उठाने के लिए पड़ोसी राज्यों के प्रदेश से सटे जिलों की महिलाओं ने भी आवेदन कर दिया। इनमें पंजाब की 11,908, हिमाचल की 2,732, उत्तर प्रदेश की 4,785, दिल्ली की 2,932 और राजस्थान की 1,339 महिलाएं शामिल हैं।

मनमानी पर रोक

500 किमी तक का किराया 7,500; इंडिगो संकट के बीच केंद्र ने किराए तए किए

18 हजार रु से ज्यादा किराया नहीं ले सकेंगी एयरलाइंस

नई दिल्ली। इंडिगो संकट के बीच सरकार ने शनिवार को एयरलाइन्स के मनमाने किराए पर रोक लगा दी है। सरकार ने कहा कि सभी एयरलाइन्स फेयर कैप यानी अधिकतम किराया सीमा से ज्यादा कीमत पर टिकट नहीं बेच सकती।

सरकार ने बताया कि यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते। इस कदम का मकसद एयरफेयर में अनियमितता रोकना, बाजार में प्राइसिंग डिसिप्लिन बनाए रखना और संकट में फंसे यात्रियों का शोषण रोकना है।

अब कोई भी एयरलाइन 500 किमी की दूरी तक 7500 रुपए, 500-

1000 किमी तक 12 हजार रुपए से ज्यादा किराया नहीं ले पाएगी। वहीं, अधिकतम किराया 18 हजार रुपए तय किया गया है। हालांकि ये किराया सीमा बिजनेस क्लास के लिए लागू नहीं होगी।

10 गुना तक कीमत में मिल रहे थे टिकट

इंडिगो की फ्लाइट्स में बड़े पैमाने पर कैंसिलेशन और देरी के बाद फ्लाइट्स का किराए में उछाल देखने को मिला था। यात्रियों को ऑप्शनल फ्लाइट्स की तलाश में सामान्य से दस गुनी कीमत पर टिकट खरीदने पड़ रहे थे।

बुकिंग साइट MakeMyTrip के अनुसार, 6 दिसंबर को दिल्ली से बेंगलुरु की सबसे सस्ती फ्लाइट की कीमत 40,000 रुपए से ज्यादा है, जबकि कुछ फ्लाइट्स का किराया 80,000 रुपए तक हैं। दिल्ली से मुंबई की फ्लाइट का न्यूनतम किराया 36,107 रुपए और अधिकतम 56,000 रुपए है। वहीं दिल्ली-चेन्नई की देर रात की फ्लाइट्स का किराया 62,000 से 82,000 रुपए तक पहुंच गया।

कल तक किराया वापसी और 48 घंटे में लगेज लौटाने के निर्देश

इसके साथ ही सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि वह कल (रविवार) रात 8 बजे तक सभी पेंडिंग पैसेंजर रिफंड वापस करे। पैसेंजर के लगेज भी 48 घंटे में लौटाए। इसके अलावा, सरकार ने दूसरी एयरलाइन से कहा कि वह तय हवाई किराए से ज्यादा ना लें। अगर निर्देशों को नहीं माना गया तो तुरंत एक्शन लिया जाएगा।

झारखंड के 3 युवकों ने चाची-भतीजी से किया गैंगरेप

कहा-किसी को बताया तो तुम्हें मार डालेंगे, महिला ने लगाई फांसी, एएसआई सस्पेंड, टीआई लाइन अटैच

सरगुजा/बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में चाची और नाबालिग भतीजी से झारखंड के 3 युवकों ने गैंगरेप किया। वारदात के बाद युवकों ने कहा कि किसी को बताओगे तो जान से मार डालेंगे। धमकी के बाद महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामला सनावल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक आरोपियों में झारखंड के कुसुमियादागर निवासी सैयद अली (21), फैयाज अंसारी (22) और

सोनू अंसारी (30) शामिल हैं। वहीं परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके बाद सरगुजा आईजी दीपक कुमार झा ने एएसआई रोशन लकड़ा को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही सनावल थानेदार गजपति मिर्रे को लाइन अटैच किया गया है। एएसआई और थानेदार के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए हैं। करीब 3 महीने बाद 3 दिसंबर को नाबालिग से गैंगरेप और महिला को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने पर केस दर्ज किया गया।

संपादकीय

चुनौतियां सरकार के लिए नहीं, आम जनता के लिए ज्यादा बन रही हैं

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

आजादी के 78 साल बाद भी भारत की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि हर बड़ी चुनौती अंततः आम आदमी के कंधों पर ही लाद दी जाती है। महंगाई हो, बेरोजगारी हो, स्वास्थ्य संकट हो या जलवायु परिवर्तन—सिस्टम के लिए ये सिर्फ आंकड़े और नीतियाँ हैं, लेकिन आम जनता के लिए ये रोजी-रोटी, सपनों और जिंदगी-मौत का सवाल बन जाते हैं।

महंगाई को ही लीजिए। पिछले पाँच सालों में खाद्य महंगाई दर औसतन 6-8 प्रतिशत रही, लेकिन दाल, तेल, सब्जियाँ कभी-कभी 50-100 प्रतिशत तक महंगी हो जाती हैं। सरकार कहती है कि वैश्विक कारण हैं, सप्लाई चेन बाधित हुई, यूक्रेन युद्ध हुआ। ठीक है, लेकिन जब पेट्रोल-डीजल के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार से नीचे आने पर भी कम नहीं होते, तो आम आदमी को लगता है कि उसका हिस्सा कोई और खा रहा है। ट्रक वाले डीजल महंगा होने से किराया बढ़ाते हैं, किसान खाद-डीजल महंगा होने से उत्पादन लागत बढ़ाते हैं, और अंत में थाली में रोटी छोटी हो जाती है। सरकार को सिर्फ राजस्व बढ़ता दिखता है, आम आदमी को भूख।

बेरोजगारी की स्थिति और भी भयावह है। CMIE के आंकड़ों के अनुसार भारत में बेरोजगारी दर लंबे समय से 7-8 प्रतिशत के आसपास घूम रही है, लेकिन युवाओं में यह 23-25 प्रतिशत तक पहुँच जाती है। हर साल 1.2-1.5 करोड़ युवा नौकरी बाजार में आते हैं, लेकिन सरकारी और संगठित क्षेत्र में सिर्फ 10-15 लाख नौकरियाँ पैदा होती हैं। बाकी का क्या ? ओला-उबर ड्राइवर, स्विगी-जोमैटो डिलीवरी ब्वॉय या फिर पकोड़े तलने का सुझाव। सरकार कहती है हमने 5 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य रखा है, स्टार्टअप इंडिया खड़ा किया है। लेकिन स्टार्टअप में 90 प्रतिशत फेल हो जाते हैं और जो बचते हैं, वे भी 10-15 लोगों को ही नौकरी देते हैं। असल में मध्यम वर्ग का बच्चा इंजीनियरिंग-MBA करके भी पेट्रोल पंप पर खड़ा नजर आता है। सपना टूटता है, कर्ज बढ़ता है, मानसिक तनाव बढ़ता है—ये बोझ सरकार नहीं, परिवार झेलता है।

स्वास्थ्य सेवाओं की बात करें तो कोविड ने सारी पोल खोल दी। एक तरफ दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन ड्राइव का दावा, दूसरी तरफ ऑक्सीजन की कमी से हजारों मौतें। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में एक PHC पर 50-60 हजार की आबादी है, डॉक्टर महीने में 8-10 दिन आते हैं। प्राइवेट अस्पतालों में इलाज इतना महंगा कि मध्यम वर्ग भी कर्ज लेकर या जमीन बेचकर इलाज करवाता है। आयुष्मान भारत योजना अच्छी है, लेकिन उसकी सीमा 5 लाख रुपये है और ज्यादातर गंभीर बीमारियाँ इससे कहीं ज्यादा खर्च मांगती हैं। नतीजा—लोग इलाज छोड़ देते हैं या कर्ज में डूब जाते हैं।

जलवायु परिवर्तन भी अब अमीर-गरीब नहीं देखता, लेकिन गरीब को ही ज्यादा मारता है। बाढ़ आए तो शहरों में जलभराव की खबरें आती हैं, लेकिन गाँव डूब जाते हैं—फसल बर्बाद, मवेशी मर जाते हैं, लोग बेघर हो जाते हैं। सरकार घोषणाएँ करती है—हम 2070 तक नेट जीरो करेंगे। लेकिन आज किसान को सिंचाई के लिए बिजली नहीं मिलती, डीजल महंगा है, मौसम अनिश्चित है। वह न तो कार्बन क्रेडिट बेच सकता है, न ग्रीन एनर्जी सब्सिडी का लाभ उठा पाता है।

सच यही है कि नीति बनाने वाले और उसका लाभ उठाने वाले दो अलग-अलग दुनिया में रहते हैं। एक तरफ वीआईपी कल्चर, बुलेटप्रूफ गाड़ियाँ, मुफ्त बिजली-पानी, पेंशन और मेडिक्लेम। दूसरी तरफ आम आदमी जो सुबह 5 बजे लोकल ट्रेन पकड़ता है, 200 रुपये मजदूरी करता है और शाम को घर लौटकर देखता है कि गैस सिलिंडर फिर महंगा हो गया।

समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें—चुनौतियाँ सरकार के लिए नहीं, आम जनता के लिए ज्यादा बड़ी हैं क्योंकि सिस्टम ने उसे अकेला छोड़ दिया है। जब तक नीतियाँ कागज से उतरकर थाली, नौकरी और अस्पताल तक नहीं पहुँचेंगी, तब तक सारे दावे खोखले रहेंगे। असली भारत वह नहीं जो संसद और जीडीपी आंकड़ों में चमकता है, बल्कि वह है जो रोज सुबह उठकर इन चुनौतियों से लड़ता है—बिना किसी सुरक्षा कवच के।

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे।

निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे। जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके। उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके। निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है। ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है। घर-घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

कैंपस प्लेसमेंट में धांधली: नैतिकता और छात्र हितों का हनन

- ललित गर्ग -

देश के प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों-विशेषतः आइआइटीज द्वारा 20 से अधिक कंपनियों को कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर करना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में नैतिकता, पारदर्शिता और छात्र-हित संरक्षण को मजबूती प्रदान करने वाला साहसिक कदम है। इन कंपनियों ने छात्रों को ऑफर लेटर दिए, उनके परिवारों के भीतर आशा की किरण जगाई और अंतिम समय में बिना स्पष्ट कारण उन्हें रद्द कर दिया। यह केवल एक अनुबंध उल्लंघन नहीं, बल्कि छात्र के भविष्य, उसके मानसिक संसार और उसके सामाजिक विश्वास पर सीधा प्रहार है। आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना किसी विद्यार्थी की दीर्घकालिक मेहनत और प्रतिभा की पहचान है। प्लेसमेंट और ऑफर लेटर केवल नौकरी नहीं, बल्कि परिवार के लिए भविष्य की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। ऐसे में जब कंपनियां अचानक अपना वादा तोड़ देती हैं, तो विद्यार्थी केवल पेशेवर नुकसान नहीं झेलते, बल्कि मानसिक तनाव, अविश्वास और सामाजिक दबाव से भी गुजरते हैं। यह उनके मनोबल को कमजोर करता है और उनकी योग्यता के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। इस तरह की स्थितियां बनना न केवल भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक चिन्ताजनक दाग है, बल्कि सरकार एवं कम्पनियों पर छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने का शर्मनाक द्योतक है।

निस्संदेह वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता, मंदी, छंटनी और बाजार उतार-चढ़ाव से जूझ रही है। लेकिन इन चुनौतियों का भार छात्रों के कंधों पर डालना किसी मानवीय, पेशेवर या नैतिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। विश्वविद्यालय किसी प्रयोगशाला की तरह नहीं हैं जहां विद्यार्थियों को जोखिमपूर्ण स्थति में डालकर कंपनियां प्रयोग चलाती रहें। आइआइटीज का यह निर्णय स्पष्ट संदेश देता है कि छात्रों के भविष्य और सम्मान से खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा तथा संस्थान उनके साथ खड़ा रहेगा। यह कदम उच्च शिक्षा की गरिमा और राष्ट्रीय प्रतिभा के सम्मान की पुनर्स्थापना है। यह अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी मार्गदर्शक हो सकता है, क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं बल्कि सुरक्षित और विश्वसनीय भविष्य प्रदान करना है। देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना ही छात्रों के लिये एक बड़ी चुनौती होती है, छात्र इन संस्थानों के भारीभरकम आर्थिक बजट को किसी तरह पूरा करते हैं, इसके बाद भी उनको नौकरी नहीं मिलती है तो यह उनके जीवन को अंधकारमय बना देने जैसा है।

देश के अधिकांश शिक्षण संस्थानों में प्लेसमेंट व्यवस्था उतनी सुदृढ़ और पारदर्शी नहीं है, जितनी आइआइटीज में। हजारों छात्र नौकरी व अवसर की आशा में बैठते हैं और कुछ कंपनियां इस स्थिति का दुरुपयोग कर 卐ऑफर रद्द करने卐 की प्रवृत्ति अपनाती हैं। अब आवश्यक है कि अन्य विश्वविद्यालय भी कड़ी और अनुशासित प्लेसमेंट नीति अपनाएं, कंपनियों के व्यवहार का रिकॉर्ड रखें और बार-बार गलती करने वालों को ब्लैकलिस्ट करें। यदि शीर्ष विश्वविद्यालय सामूहिक रूप से यह कदम उठाएं, तो कॉर्पोरेट जगत पर नैतिक अनुशासन का दबाव स्वतः निर्मित होगा। यह विषय अब केवल विश्वविद्यालय का मसला नहीं बल्कि राष्ट्रीय चिंता बन चुका है। छात्रों की बेरोजगारी, अवसरों की अनिश्चितता और कंपनियों की बेहिसाब मनमानी देश की प्रतिभा को क्षति पहुंचा रही है। इसलिए सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि प्लेसमेंट अनुबंध और कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले स्पष्ट दिशानिर्देश बनाए, कंपनियों के व्यवहार का राष्ट्रीय डाटा रिकॉर्ड विकसित करे, गलती करने वाली कंपनियों को सरकारी परियोजनाओं और प्रोत्साहनों से वंचित करे तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करे। छात्रों के संरक्षण हेतु बैकअप प्लेसमेंट समर्थन, आर्थिक सहायता और अनुबंधिक सुरक्षा उपाय जैसी व्यवस्थाएं भी विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी छात्र का भविष्य कंपनी की मनमानी से प्रभावित न हो।

आइआइटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पाना ही किसी भी छात्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। आइआइटी की प्लेसमेंट व्यवस्था पहले से ही काफी अनुशासित और नियमबद्ध है। कंपनियों को भाग लेने से पहले कई शर्तों का पालन करना होता है। इसके बावजूद यदि कोई कंपनी अपने वादे से मुकरती है, तो उसे जवाबदेह ठहराया जाना आवश्यक है। क्योंकि छात्रों को जब ऐसे किसी प्रतिष्ठित कंपनी से ऑफर लेटर मिलता है, तो वह न केवल उनके कॅरियर, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य की उम्मीद बन जाता है। यदि वही कंपनी अंतिम समय में बिना ठोस वजह के ऑफर रद्द कर दे, तो यह केवल पेशेवर अनुशासन की कमी नहीं, बल्कि छात्रों के साथ किया गया खुला विश्वासघात है। आज का कॉर्पोरेट जगत तेजी से बदल रहा है, उसके मूल्य और मानक बिखर रहे हैं, भारत जब दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का बनना चिन्ताजनक है। इससे भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों की साख एवं प्रतिष्ठा भी दांव पर लगती है, इन्हीं स्थितियों के कारण छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा के लिये अग्रसर होते हैं।

भारत ज्ञान और युवा शक्ति का देश है। उसके शीर्ष संस्थानों की वैश्विक प्रतिष्ठा तभी कायम रह सकती है जब प्लेसमेंट प्रक्रिया भरोसेमंद, सम्मानजनक और नैतिक होगी। कंपनियों को भी समझना होगा कि युवाओं के साथ अनुचित व्यवहार उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है और समाज के साथ उनके संबंध कमजोर करता है। आइआइटी का यह निर्णय उन कंपनियों के लिए चेतावनी तो है ही, लेकिन शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं के लिए अवसर भी है-एक ऐसी प्रणाली विकसित करने का अवसर जहां छात्र का सम्मान एवं जीवन-सुरक्षा सर्वोपरि हो।

यदि संस्थान, सरकार और समाज मिलकर स्पष्ट, कठोर और नैतिक ढांचा बनाएं तो निश्चित ही युवा प्रतिभा सुरक्षित होगी और भारत की विश्वसनीयता भी सुदृढ़ होगी। छात्र केवल डिग्री प्राप्त करने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। इसलिए आइआइटी का यह निर्णय स्वागतयोग्य है, बल्कि इसे बदलाव की दिशा में एक निर्णायक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अन्य विश्वविद्यालय, सरकार और समाज भी इसी दिशा में आगे बढ़ें, तो निश्चित ही देश की प्रतिभा को वह सम्मान, सुरक्षा और अवसर मिलेगा जिसकी वह अधिकारी है।

उच्च शिक्षा संस्थानों में प्लेसमेंट के नाम पर कंपनियों द्वारा छात्रों के साथ की जाने वाली धांधली, छल-प्रपंच और वायदाखिलाफी आज एक गम्भीर चिंता का विषय है। अनेक बार छात्रों को आकर्षक वेतन, उज्ज्वल भविष्य और स्थायी नौकरी के सपने दिखाए जाते हैं, किंतु चयन प्रक्रिया के बाद उन्हें कम वेतन, अस्थायी अनुबंध, असंगत कार्यक्षेत्र या नियुक्ति टालने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह विश्वासघात केवल छात्र का नहीं, बल्कि संस्थान और शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता का नुकसान है। अतः भारत सरकार को एक स्पष्ट, कठोर और पारदर्शी नीति बनानी चाहिए, जिसमें प्लेसमेंट देने वाली कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित हो, अनुबंधित शर्तों का पालन अनिवार्य हो तथा उल्लंघन पर दंडात्मक प्रावधान हों। इससे छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा, शिक्षा-प्रणाली की गरिमा बचेगी और उद्योग जगत में विश्वसनीयता एवं नैतिकता की संस्कृति विकसित होगी। इस दृष्टि से आइआइटी प्रशासन का ताजा निर्णय कि ऐसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, एक सख्त संदेश देता है कि छात्रों का सम्मान, कैरियर और भविष्य सर्वोपरि है। आज आवश्यकता इस बात की है कि दुनियाभर में अपनी पहचान रखने वाले आइआइटी और एनआइटी जैसे संस्थान इस तरह की नीति अपनाएं। इससे कंपनियों पर नैतिक और व्यावसायिक अनुशासन बनाए रखने का दबाव बनेगा। साथ ही छात्रों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा कि अन्याय होने पर संस्थान उनके साथ खड़ा होगा।

इसके अलावा सरकार और उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं को भी इस दिशा में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। एक ऐसी केंद्रीय व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जिसमें ऑफर लेटर रद्द करने जैसी घटनाओं का रिकॉर्ड रखा जाए और बार-बार ऐसा करने वाली कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया जाए। यह कदम न केवल छात्रों की रक्षा करेगा, बल्कि प्लेसमेंट प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित करेगा।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3732

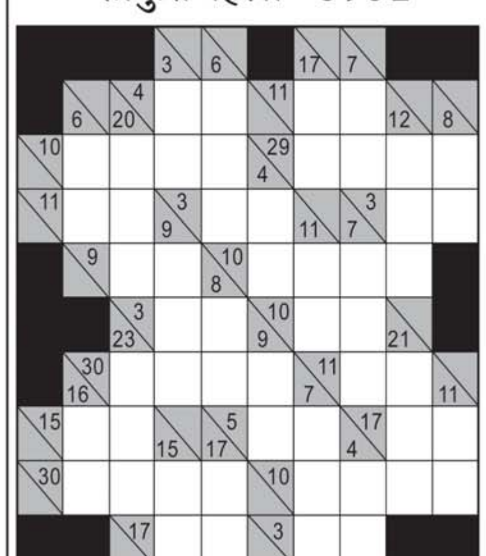

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

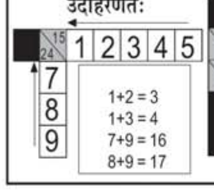

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3731 का हल

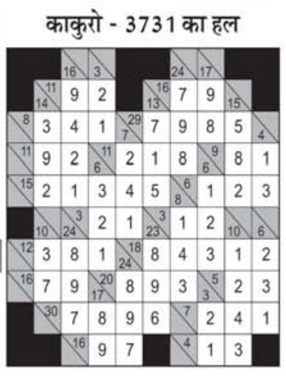

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)– डार्लिंग ! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी– हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)– आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली– हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), "तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली- 3732

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3731

सूडोकु -3732

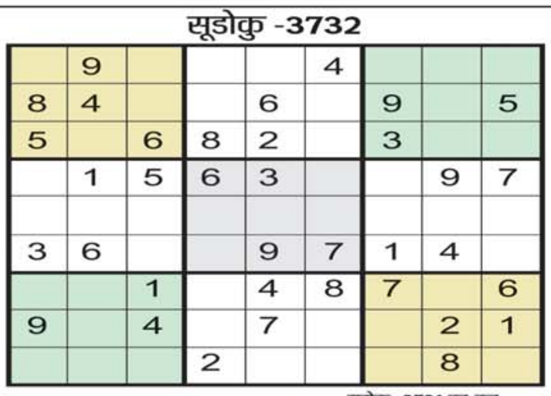

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3731 का हल

शब्द पहेली - 3732

बाएँ से दाएँ

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह, टीस, लालसा-3
6. हानि, आपत्ति-2
7. दुश्मनी, बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश, आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. शैतानी, बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा, लालसा-4
24. कवि, गजलकार-3
25. जरा, थोड़ा-2
27. मुलायम, नाजुक-3
28. गुफा, खोह-2
29. प्रियतम, सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह. शक्ति-2
3. बिना बाल वारा, गंजा-4
4. पंक्ति, लाइन-3
5. लड़की, पुत्री, बेटी-2
7. वहम, संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा, कसम-3
13. गंगा का पानी-4
15. तीखा, तीक्ष्ण-3
16. आतुर, धैर्यहीन-4
17. संभवतः-3
18. मर्कट, कपि-3
20. गोविंदा, खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन, प्रेमी-3
24. संध्या, सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना, मास-2

शब्द पहेली - 3731 का हल

आकाश आनंद ने नोएडा में अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

आकाश आनंद 10 मिनट में बिना बोले चले गए, 5 हजार लोग सुनने का इंतजार करते रहे

नोएडा। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का शनिवार को परिनिर्वाण दिवस है।

नोएडा में बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पहुंचे। वहां उन्होंने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया। वह 10 मिनट ही वहां रुके और चले आए।

बसपा के करीब 5 हजार लोग कार्यक्रम में पहुंचे थे। वह आकाश को सुनने का इंतजार करते रह गए। आकाश 1.59 बजे पहुंचे और 12.09 मिनट पर वहां से चले गए।

दरअसल, शुरुआत में चर्चा थी कि मायावती भी सेक्टर-95 स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल के कार्यक्रम में आएंगी। हालांकि, भीड़ के चलते लोगों को दिक्कत न हो, इसलिए खुद मायावती इनकार कर दिया था।

कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छह मंडल मेरठ, सहारनपुर मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़ के पार्टी के समर्थकों को बुलाया गया था। ज्यादातर कार्यकर्ता हाथों में बाबा साहब की फोटो लेकर पहुंचे।

कार्यक्रम में 3 आईफोन चोरी हो गए। इस दौरान माइक से एनाउंस किया गया कि अगर किसी को आईफोन मिलें तो काउंटर पर जमा कर दें।

अंबेडकर महा परिनिर्वाण दिवस पर मायावती नोएडा नहीं पहुंचीं, लेकिन उन्होंने नई दिल्ली स्थित अपने निवास पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर तंज कसा। पूछा-बहुजनों के 'अच्छे दिन' कब आएंगे?

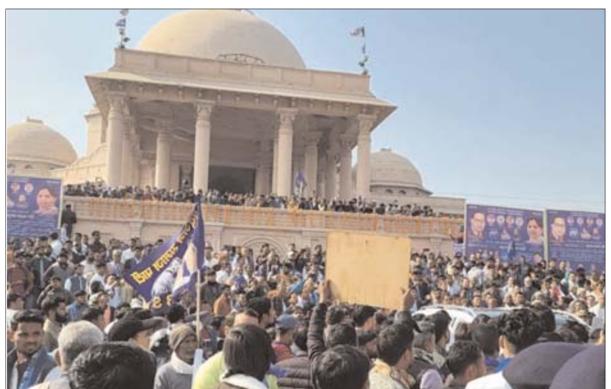

मायावती ने पूछा-'अच्छे दिन' कब आएंगे?

मायावती ने कहा- देश के करोड़ों दलित, आदिवासी, ओबीसी और शोषित-पीड़ित लोग अब जातिवादी पार्टियों से उम्मीद छोड़ चुके हैं। अब वे सत्ता की मास्टर-की हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

लेकिन विरोधी हर हथकंडा अपनाकर उन्हें शासक वर्ग बनने से रोक रहे हैं। उन्होंने पूछा- बहुजनों के 'अच्छे दिन' कब आएंगे?

वोटर लिस्ट पुनरीक्षण में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें

मायावती ने बहुजन समाज से अपील की कि वे अपनी वोट की ताकत को पहचानें और उसकी रक्षा करें। चुनाव आयोग द्वारा कराया जा रहा वोटर लिस्ट का सघन पुनरीक्षण (एसएसआर) बेहद अहम है। इसमें पूरी जागरूकता के साथ हिस्सा लें।

मायावती ने कार्यक्रम में न जाने का कारण बताया

मायावती ने कहा-पहले वे स्वयं लखनऊ और नोएडा के स्मारकों पर जाती थीं, लेकिन उनकी सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर दूर-दराज से आने वाले अनुयायियों को मुख्य स्थल से बहुत दूर रोक दिया जाता है। लोगों को भारी परेशानी होती है। इसलिए अब उन्होंने फैसला लिया है कि वे निवास या पार्टी दफ्तर में ही श्रद्धांजलि देंगी।

रुपए के भारी अवमूल्यन पर भी साधा निशाना

मायावती ने रुपए के लगातार गिरते मूल्य पर चिंता जताई और कहा, यह मुद्दा अब सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक और राष्ट्रहित का बन चुका है। आर्थिक सलाहकारों से ज्यादा सरकार को गंभीर होकर ठोस कदम उठाने चाहिए। आज की विषम परिस्थिति में बाबासाहेब को सही से समझकर उनके दिखाए रास्ते पर चलना ही समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

ग्रेटर नोएडा में एमसीए छात्र ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट में लिखा-आई गिव अप, बीमारी से था परेशान

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के तुगलपुर स्थित क्राउन हॉस्टल में एमसीए के एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस को छात्र के कमरे से एक छोटा सुसाइड नोट मिला है, जिसमें अंग्रेजी में लिखा था-आई गिव अप, गिव माई बॉडी एंड माय थिंग्स टू माय फैमिली, प्लीज सॉरी फॉर द ट्रबल

मंगलवार दोपहर नॉलेज पार्क पुलिस को सूचना मिली कि क्राउन हॉस्टल के रूम नंबर 79 में एक छात्र ने खुदकुशी कर ली है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि 25 वर्षीय

कृष्णकांत ने छत के पंखे के हुक से अंगोछा बांधकर फांसी लगा ली थी। वह झारखंड का रहने वाला था और हद्धश्वज्ञ कॉलेज में एमसीए तृतीय वर्ष का छात्र था। कृष्णकांत यहां अपने रूममेट ऋतिक के साथ रह रहा था।

मंगलवार सुबह कृष्णकांत कॉलेज नहीं गया था। उसने ऋतिक से कहा था कि वह बाद में आएगा। दोपहर में कृष्णकांत के पिता ने ऋतिक को फोन कर बताया कि उन्हें आशंका है कि कृष्णकांत कुछ गलत कदम उठा सकता है।

इस पर ऋतिक ने तुरंत हॉस्टल के दोस्तों को बुलाया। जब दोस्त कमरे पर पहुंचे तो दरवाज़ा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो कृष्णकांत फांसी पर लटका मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

छात्र के कमरे से मिले सुसाइड नोट के बाद भी आत्महत्या की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। कृष्णकांत के मित्र ऋतिक ने बताया कि उसे सिर से जुड़ी एक बीमारी थी। ज्यादा देर पढ़ाई करने पर उसका सिर झुक जाता था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान रहता था। ऋतिक ने कहा कि कृष्णकांत पढ़ाई में बहुत अच्छा था, लेकिन बीमारी को लेकर वह तनाव में रहता था।

पुलिस के अनुसार, कृष्णकांत ने आत्महत्या से पहले अपने परिजनों से बात भी की थी। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

जेवर में ट्यूबवेल के पानी को लेकर मारपीट का मामला

कोर्ट के आदेश पर 4 महीने बाद दर्ज हुआ केस, तीन आरोपी नामजद

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर बांगर गांव में ट्यूबवेल के पानी के विवाद से जुड़ी मारपीट की घटना में पुलिस ने चार महीने बाद केस दर्ज किया है। पीड़ित की ओर से कोर्ट में दी गई अर्जी के बाद न्यायालय के आदेश पर दो महिलाओं सहित तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने अब मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जीवनलाल के मुताबिक, घटना 28 जुलाई की है। वह अपने खेत में पशुओं का चारा काट रहे थे, तभी पड़ोसी परशुराम ने उन्हें बुलाया। जैसे ही वह उसके पास पहुंचे, परशुराम, उसकी पत्नी बीना और मां चंद्रकला ने ट्यूबवेल के पानी को लेकर विवाद शुरू कर दिया और मारपीट पर उतर आए। जीवनलाल का कहना है कि शोर सुनकर उनकी भाभी दुर्गेश और चाचा हरिओम भी वहां पहुंचे, लेकिन आरोपियों ने उन पर भी लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में सभी गंभीर रूप से घायल हुए। ग्रामीण मौके पर पहुंचने लगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में युवक की हत्या का खुलासा

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में 24 वर्षीय मनीष की हत्या का मामला सामने आया है। तीन दिन की तलाश के बाद शनिवार शाम को जमालपुर गांव के पास नहर किनारे झाड़ियों में उसका शव मिला। मनीष करीब आठ दिन पहले अपने दोस्तों बॉबी (पतलाखेड़ा) और भारत (अस्तौली) के साथ पार्टी करने निकला था, जिसके बाद से वह लापता था। परिवार को उम्मीद थी कि वह देर रात तक लौट आएगा, लेकिन 29 नवंबर की शाम के बाद वह घर नहीं पहुंचा। अगले दिन, एक परिचित ने परिजनों को बताया कि मनीष ने अपनी अंतिम फोन कॉल में आशंका जताई थी कि उसके दोस्त ही उसे नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके बाद पिता नारायण सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। 1 दिसंबर को पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश तेज कर दी। 2 दिसंबर को मनीष की कार ग्रेटर नोएडा के एक मॉल की पार्किंग में मिली। सीसीटीवी फुटेज में दोनों आरोपी कार से बाहर निकलते हुए दिखाई दिए।

जिले के खिलाड़ियों ने पैरा एथलेटिक्स में 6 स्वर्ण जीते

ग्रेटर नोएडा। मलकपुर खेल परिसर में शनिवार को पहली जिलास्तरीय पैरा एथलेटिक्स और पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। दौड़, भाला फेंक, चक्का फेंक आदि स्पर्धाओं में पदक जीते। जिला पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस चैंपियनशिप में पहुंचे पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता और अर्जुन अवार्डी प्रवीण कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रभारी जिला खेल अधिकारी डॉ. परवेज अली ने बताया कि पैरा एथलेटिक्स में टी- 36 श्रेणी में दीपांशु ने 100 मीटर और 200 मीटर में 1-1 स्वर्ण पदक, आकाश ने 100 और 200 मीटर में दो स्वर्ण, टी-37 श्रेणी में सोनिका ने 100 मीटर में स्वर्ण पदक जीता।टी-20 श्रेणी में खुशी ने 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, पैरा पावरलिफ्टिंग में श्याम सिंह, नितिन कुमार और मनीषा ने अलग -अलग किलोग्राम वर्ग में 1-1 स्वर्ण पदक जीता। आशीष ने एफ-54 श्रेणी भाला फेंक में कांस्य पदक, मीना ने चक्का फेंक, गोला फेंक और भाला फेंक में तीन स्वर्ण पदक जीते।

फोनरवा चुनाव में सभी उम्मीदवारों ने नामांकन किया

नोएडा। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) के चुनाव में योगेंद्र शर्मा पैनल के सभी प्रत्याशियों ने शनिवार को नामांकन किया। इसमें योगेंद्र शर्मा ने सभी सामाज के लोगों को साधते हुए नामांकन किया। वहीं विपक्ष में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर सेक्टर-22 के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने नामांकन किया है। फोनरवा चुनाव में योगेंद्र शर्मा पैनल की तरफ से अध्यक्ष पद पर योगेंद्र शर्मा, महासचिव पद पर केके जैन, कोषाध्यक्ष पद पर पवन यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर विजय भाटी, अशोक मिश्रा, देवेंद्र चौहान और उमाशंकर शर्मा, उपाध्यक्ष पद पर लाटसाहब लोहिया, संजय चौहान, प्रदीप वोहरा और श्याम सिंह यादव प्रत्याशी है।इसी तरह सचिव पद पर डॉ जी एस सचदेवा, देवेन्द्र यादव, विनोद शर्मा और ओमवीर बंसल, सचिव कानूनी पद पर अशोक शर्मा, सह सचिव कोशिंदर यादव, राजेश सिंह, अनुज गुप्ता और अनीता, सह कोषाध्यक्ष पद पर भूषण शर्मा नामांकन किया। वहीं विपक्ष में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर सेक्टर-22 के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने नामांकन किया है। शनिवार को नामांकन का आखिरी दिन था।

युवतियों के बीच मारपीट का वीडियो वायरल

नोएडा। सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर युवतियों के बीच मारपीट होने का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो शहर के एक निजी विश्वविद्यालय परिसर का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में नोएडा पुलिस के अधिकारियों को टैग करते हुए यूजर ने कार्रवाई करने की मांग की है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह से एक युवती दूसरी युवती के बाल पकड़कर खींच रही है। घटनास्थल पर मौजूद कई अन्य युवतियां बीच बचाव करती हुई नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर शनिवार दोपहर करीब दो बजे इस मारपीट का वीडियो पोस्ट कर एक यूजर ने दावा किया है कि यह सेक्टर 125 स्थित एक निजी विश्वविद्यालय परिसर का है।हालांकि वीडियो कब का है और किस वजह से मारपीट हुई है, इसकी वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस ने संज्ञान लेकर वीडियो की जांच शुरु कर दी है। इस संबंध में पुलिस ने विश्वविद्यालय प्रबंधन से भी संपर्क किया है।

देश में सबसे वायु प्रदूषित शहर रहा नोएडा

नोएडा। नोएडा शनिवार को देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां का एक्यूआई 344 दर्ज किया गया। इस मौसम में चौथी बार शहर का एक्यूआई सबसे अधिक रहा। इस माह भी प्रदूषण की स्थिति लगभग इसी तरह रहने की आशंका है। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई शनिवार को 321 रहा। पिछले 36 दिनों से नोएडा की हवा दमघोंटू बनी हुई है। एक्यूआई 200 से कम नहीं हुआ है। वहीं, ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई भी 31 दिनों से खराब, बेहद खराब और गंभीर श्रेणी में है। सबसे अधिक प्रदूषण सेक्टर-125 में रहा। यहां का एक्यूआई 367 दर्ज किया गया। शहर के तीन स्थानों में सेक्टर-62 का एक्यूआई 300 से कम रहा।दिसंबर के पहले छह दिनों में भी एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में रहा। दोनों शहरों में पीएम 2.5 का स्तर पीएम 10 से अधिक रहा। यानि वाहनों से निकलने वाला धुआं मुख्य रूप से वायु प्रदूषण का जिम्मेदार रहा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का पांच दिनों का एक्यूआई दिसंबर नोएडा, ग्रेनो, 6, 344, 321, 5, 339, 316, 4, 308, 285, 3, 365, 324, 2, 395, 378, देश में सबसे प्रदूषित शहर रहा नोएडा नोएडा : 344, गाजियाबाद : 343, हापुड़ : 336, दिल्ली : 330, ग्रेटर नोएडा : 321, इस माह सेक्टर-116 और 125 सबसे वायु प्रदूषित दिसंबर के पहले छह दिनों में सेक्टर-116 और सेक्टर-125 में वायु प्रदूषण सबसे अधिक दर्ज किया गया। दोनों स्थानों में एक-एक दिन हवा गंभीर श्रेणी में भी रही। पांच दिन एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। सेक्टर-62 में सबसे कम वायु प्रदूषण रहा।

प्रेमी ने प्रेमिका की शादी बुआ के बेटे से कराई

अपहरण केस से बचने के लिए रची साजिश, 5 गिरफ्तार

जेवर। ग्रेटर नोएडा में अपहरण के दर्ज मामले से बचने के लिए एक युवक ने ऐसी चाल चली कि पुलिस भी हैरान रह गई।

प्रेमी ने अपनी नाबालिग प्रेमिका को घर से भगाकर पहले आर्य समाज मंदिर में शादी की, लेकिन कोर्ट मैरिज न होने पर उसने प्रेमिका की ही शादी अपनी बुआ के बेटे से करा दी।

पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए शनिवार शाम आरोपी प्रेमी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना में शामिल चार आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने 29 सितंबर को अपनी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया था।

पिता ने तीन लोगों पर अपहरण का आरोप लगाया था। पुलिस ने जांच के बाद शनिवार को लड़की को सकुशल बरामद कर लिया।

पुलिस पूछताछ में लड़की ने बताया कि वह अपनी मर्जी से प्रेमी हिमांशु (निवासी म्याना गांव) के साथ गई थी। दोनों ने हिमांशु के परिजनों की मौजूदगी में 11 नवंबर को प्रयागराज के आर्य समाज मंदिर में शादी की।

इसके बाद वे कोर्ट मैरिज कराने पहुंचे, लेकिन वहां पता चला कि प्रेमी हिमांशु की उम्र 21 वर्ष से कम है। इस वजह से वकील ने कोर्ट मैरिज से इनकार कर दिया।

कानूनी कार्रवाई और अपहरण के केस से बचने के लिए हिमांशु ने 4 दिसंबर को पहले आर्य समाज मंदिर में और फिर गाजियाबाद कोर्ट में अपनी प्रेमिका की शादी अपने फुफेरे भाई चिराग से करा दी।

इसके बाद भी प्रेमी और प्रेमिका गाजियाबाद के दिलशाद एक्सटेंशन में प्रेमी की बुआ के घर साथ ही रह रहे थे।

पुलिस ने प्रेमी हिमांशु, उसके फुफेरे भाई चिराग, फूफा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

उनके कब्जे से बिना नंबर की स्कॉर्पियो और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस पूरे प्रकरण की कानूनी तौर पर जांच कर रही है।

नोएडा में 12 करोड़ का साइबर फ्रॉड, 4 गिरफ्तार

चीन में बैठे हैंडलरों को अकाउंट देकर करते थे ठगी, 10 राज्यों में 43 शिकायतें दर्ज

नोएडा। नोएडा पुलिस ने निवेश के नाम पर 12 करोड़ रुपए की साइबर ठगी में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके खातों में रकम ट्रांसफर की गई थी। जांच में सामने आया कि अब तक यह गिरोह देश में करीब 35 करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम हैं अर्जुन सिंह, पंकज गुप्ता, रूपेंद्र पाल और तेजपाल, जो सभी बदायूं के निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार, ये ठग चीन में बैठे साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। आरोपियों के खातों को तुरंत फ्रीज कर दिया गया। इनके पास से 5 आईफोन भी बरामद हुए हैं।

एडीसीपी बोलीं-कमीशन देने के नाम पर खुलवाते थे बैंक अकाउंट

एडीसीपी शैव्या गोयल ने बताया कि आरोपी अर्जुन सिंह और पंकज गुप्ता पहले से ही एक-दूसरे को जानते थे। पंकज के कहने पर अर्जुन रूपेंद्र और तेजपाल के संपर्क में आया। रूपेंद्र और तेजपाल स्थानीय लोगों को कमीशन देने के नाम पर उनकी जीएसटी और उद्यम प्रमाण पत्र बनवाकर फर्म खुलवाते थे। इसके बाद

उनका करंट बैंक खाता खुलवाया जाता था। तेजपाल के कहने पर रूपेन्द्र खाताधारक को मुंबई ले जाता था। इसके बाद अन्य साथियों की मदद से बैंक खातों में फ्रॉड से संबंधित धनराशि ट्रांसफर की जाती थी।

10 प्रतिशत तक लेते थे कैश कमीशन

धोखाधड़ी में प्रयुक्त बैंक खातों में आई धनराशि का 7 से 10 प्रतिशत नकद तेजपाल अपने पास रखता था। 3 से 5 प्रतिशत खाताधारक और मीडिएटर को दिया जाता था। जांच में सामने आया कि इस गिरोह ने लगभग 50 से 60 बैंक खाते धोखाधड़ी के लिए खुलवाए थे।

एडीसीपी ने बताया कि यह गिरोह लगभग एक साल से साइबर अपराधों में शामिल है। देश के विभिन्न राज्यों में इनके खिलाफ शिकायतें दर्ज हैं। घटना में शामिल अन्य ठगों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। नोएडा में हाल ही में हुई एक 2.90 करोड़ की ठगी में भी रूपेंद्र पाल और तेजपाल का नाम सामने आया। आरोपियों ने चीन में बैठे हैंडलरों को खाते उपलब्ध कराए थे।

देश में इनके खातों के खिलाफ 43 शिकायत मिली

जिसमें तेलंगाना राज्य में 09 शिकायते दर्ज है। इन्वेस्टमेंट फ्रॉड संबंधित हैं। 14 लाख 79 हजार 714 रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

तमिलनाडु राज्य में 08 शिकायते दर्ज है। इन्वेस्टमेंट फ्रॉड संबंधित हैं। जिसमें 2 करोड़ 43 हजार 584 रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

हरियाणा राज्य में 02 शिकायते दर्ज है। जिसमें 96 लाख 33,122 रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

महाराष्ट्र राज्य में 04 शिकायते दर्ज है। 96 लाख 65,150 रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

राजस्थान राज्य में 01 शिकायत दर्ज है। जिसमें 1 करोड़ 34 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

आंध्र प्रदेश राज्य में 02 शिकायत दर्ज है। जिसमें 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

कर्नाटक राज्य मे 05 शिकायत दर्ज है। जिसमें 7 करोड़ 35 लाख 35 हजार रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

गुजरात राज्य में 05 शिकायत दर्ज है। जिसमें 26 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

केरल राज्य में 03 शिकायत दर्ज है। जिसमें 11 लाख 70 हजार रुपए की धोखाधड़ी की गई है।

दिल्ली राज्य में 04 शिकायत दर्ज है। डिजिटल अरेस्ट संबंधित हैं जिसमें 3 करोड़ 11 लाख 5,000 रुपए की धोखाधड़ी की गई है ।

धनौरी में 112 हेक्टेयर में बनेगा बायोडायवर्सिटी पार्क

एयरपोर्ट पर पक्षियों के खतरे को देखते हुए यीडा ने लिया निर्णय

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने धनौरी वेटलैंड में बायोडायवर्सिटी पार्क विकसित करने का निर्णय लिया है। यह पार्क धनौरी वेटलैंड के लगभग 112 हेक्टेयर क्षेत्र में ही बनाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि वेटलैंड नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बेहद करीब है।

आसपास के आवासीय सेक्टरों की मौजूदगी के बीच बड़ी संख्या में पक्षियों का जुटना विमान सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए वेटलैंड को रामसर टैग के बजाय बायोडायवर्सिटी पार्क के रूप में विकसित करने का फैसला लिया गया है।

यीडा के अनुसार, परियोजना के लिए 25 हेक्टेयर जमीन प्राधिकरण के पास पहले से उपलब्ध है। ग्राम सभा की 12 हेक्टेयर भूमि वापस ली जाएगी और लगभग 30 हेक्टेयर का अधिग्रहण किया जाएगा। मौजूदा

45.6 हेक्टेयर दलदली क्षेत्र को पूरी तरह संरक्षित रखा जाएगा, जहां किसी भी प्रकार के निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वेटलैंड को मास्टर प्लान में शामिल कर दिया गया है ताकि क्षेत्र में कोई अवैध विकास न हो सके।

20 हजार पक्षियों का है घर

अधिकारियों ने बताया कि रामसर टैग के लिए कोई अनिवार्यता नहीं थी। केंद्र सरकार ने जून 2019 में उत्तर प्रदेश से धनौरी का नाम प्रस्तावित किया था, लेकिन राज्य सरकार ने नामांकन आगे नहीं बढ़ाया। धनौरी वेटलैंड कम से कम दो रामसर मानकों को पूरा करती है।

यह हर साल 20 हजार से अधिक जल पक्षियों की मेजबानी करती है और सारस क्रेन की बायो जियोग्राफिक आबादी के 1% से अधिक का समर्थन करती है। अब योजना के तहत दलदली क्षेत्र को सुरक्षित रखते हुए बाकी हिस्से को बायोडायवर्सिटी पार्क में बदला जाएगा।

सलाहकार कंपनी करेगी डिजाइन

नई योजना के तहत प्राधिकरण इस क्षेत्र को बायोडायवर्सिटी पार्क के रूप में विकसित करेगा। यहां लोगों के घूमने-फिरने के लिए सुविधाएं बनाई जाएंगी, साथ ही मनोरंजन और खान-पान के लिए कियोस्क भी तैयार होंगे, जिससे निर्माण लागत की भरपाई हो सके।

प्राधिकरण जल्द ही सलाहकार कंपनी के चयन के लिए आरएफपी जारी करेगा। अधिकारियों का कहना है कि बायोडायवर्सिटी पार्क मॉडल धनौरी की पारिस्थितिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए क्षेत्र की शहरी और विमानन जरूरतों के बीच संतुलन स्थापित करेगा।

ग्रेटर नोएडा में खेत विवाद पर हमला

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कस्बे में खेत पर कब्जे को लेकर हुए विवाद में चार लोग घायल हो गए। आरोपियों ने लोहे की रॉड और लाठी-डंडों से पीड़ित परिवार पर हमला किया। घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, कस्बा निवासी इमरान ने आरोप लगाया है कि नफीस पक्ष ने उसकी और उसके परिवार की जमीन पर कब्जा कर लिया था। इमरान ने इस संबंध में अधिकारियों से शिकायत की थी, जिसके बाद से आरोपी पक्ष उससे रंजिश रखता था। शनिवार को इमरान अपने भाई नईम और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ खेत पर काम कर रहा था। आरोप है कि इसी दौरान नफीस, आमिर और शाकीर सहित कुछ अज्ञात लोग लाठी-डंडों और लोहे की रॉड लेकर मौके पर पहुंचे और उन पर हमला कर दिया। इस हमले में इमरान, नईम और वसीम सहित चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां नईम की हालत गंभीर बताई जा रही है।

याकूबपुर हत्या कांड का खुलासा

पहले दोस्ती, फिर प्यार में इंकार के कारण से खफा युवक ने मारी थी गोली, बिहार से गिरफ्तार

नोएडा। वकार सैफी। थाना फेस-2 इलाके में 28 नवंबर 2025 की रात हुई सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी को बिहार के भोजपुर से गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरी वारदात दोस्ती, प्यार में इंकार और बदले की कहानी है।

बता दे कि पुलिस की गिरफ्त खडे आरोपी कृष्ण कुमार को थाना फेस-2 पुलिस ने 05 दिसंबर को आरा, भोजपुर से बिहार पुलिस की सहायता से उसे गिरफ्तार किया। माननीय न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर आरोपी को नोएडा लाया गया है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने मृतका की हत्या करना स्वीकार कर लिया है। घटना के पीछे की कहानी यह है कि कृष्ण कुमार और मृतका लगभग तीन साल पहले सेक्टर 137, नोएडा में एक साथ काम करते थे, जहां दोनों के बीच दोस्ती हुई थी। आरोपी ने मृतका से शादी के लिए

कहा, लेकिन मृतका ने साफ़ मना कर दिया।

इस बीच, आरोपी कृष्ण कुमार अगस्त में चोरी के आरोप में जेल चला गया था। जेल से छूटने के बाद उसने दोबारा मृतका से बात करने की कोशिश की, लेकिन मृतका ने सख्ती से बात करने से मना कर दिया। जिससे नाराज होकर, आरोपी कृष्ण कुमार 28 नवंबर की रात ग्राम याकूबपुर में मृतका के किराए के मकान में पहुंचा और अवैध पिस्टल से युवती की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से भाग निकला और गुजरात होते हुए अपने बिहार चला गया।

आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई थीं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश, गुजरात और बिहार में उसके ठिकानों पर तलाश की, फिर आरा, भोजपुर से बिहार पुलिस की सहायता से उसे गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त अवैध पिस्टल और कुल दो जिंदा कारतूस एवं दो खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपी ने मृतका की बहनों पर भी जानलेवा हमला करने की कोशिश की थी, लेकिन पिस्टल में गोली फंस जाने के कारण वह सफल नहीं हो सका था।

पीलीभीत विधानसभा में बिजली व्यवस्था मजबूत बनाने की तैयारी

राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने भेजे कई बड़े प्रस्ताव

पीलीभीत। गन्ना विकास एवं चीनी मिलें राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक सुधारों से जुड़े कई प्रस्ताव शासन को भेजे हैं।

इन प्रस्तावों का उद्देश्य शहर और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर व सुचारू विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

राज्य मंत्री द्वारा भेजे गए प्रस्तावों में प्रमुख रूप से शहर के गैस चौराहा स्थित पुराने बिजलीघर के पास 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का निर्माण तथा माधोटांडा क्षेत्र में प्रस्तावित टेंट सिटी के लिए 132 केवी उपकेंद्र की स्थापना शामिल है, जिससे पर्यटन और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलेगी।

इसके अलावा ललौरीखेड़ा में 33/11 केवी स्टेशन, अमरिया उपकेंद्र में पावर परिवर्तन, तथा जहानाबाद क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था में सुधार से जुड़े कई प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं।

वितरण क्षमता बढ़ाने के लिए बड़े कदम

राज्य मंत्री ने वितरण क्षमता में वृद्धि के लिए कई स्थानों पर परिवर्तन क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव दिए हैं।

जिठनिया : 100 केवीए से 250 केवीए
उदयपुर माफी, हरराईपुर, सिरसा, चका परेवा : क्षमता वृद्धि
नगरिया कॉलोनी : 63 केवीए से 100 केवीए
धुधरी कैचूटांडा, फुलैया, वालपुर माफी, मुडलिया गौसू, अमरिया थाना व गोदाम के पास, सरैनु तिर्कुनिया, बगेनरा, तिर्कुनिया नसीर : वितरण क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव

जर्जर लाइनों का होगा शुद्धिकरण

बिरहेनी पोषक हरदासपुर क्षेत्र, मझोला उपकरण से शुक्ला फार्म तक, तथा उडरा-भरसर क्षेत्र की जर्जर विद्युत लाइनों के शुद्धिकरण का प्रस्ताव भी भेजा गया है, जिससे आए दिन होने वाली विद्युत बाधाओं और दुर्घटनाओं पर रोक लग सकेगी।

अंडरग्राउंड बिजली केबल का भी प्रस्ताव

राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अंडरग्राउंड बिजली केबल बिछाने का भी प्रस्ताव शासन को भेजा है, ताकि खुले तारों से होने वाली दुर्घटनाओं से आम जनता को राहत मिल सके। इन सभी प्रस्तावों के स्वीकृत होने पर विधानसभा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को नई मजबूती और स्थायित्व प्राप्त होगा।

पिता ने बीमा करवाकर बेटे की हत्या कराई

मुरादाबाद। यूपी के मुरादाबाद में एक लालची पिता ने बीमा करवाकर अपने सगे बेटे की हत्या करा दी। पिता बेटे और सौतेली मां के बीच बढ़ती नजदीकियों से नाराज था। उसने पहले अमरोहा के अपने वकील दोस्त के साथ मिलकर बेटे का 2.1 करोड़ का बीमा करवाया। फिर भाड़े के हत्यारों को साढ़े तीन लाख रुपए की सुपारी देकर उसकी हत्या करवा दी। वारदात को एक्सीडेंट साबित करने के लिए लाश को सड़क किनारे फेंक दिया। मरने वाला युवक अनिकेत शर्मा संभल का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक, अनिकेत बेरोजगार था। काम दिलाने के बहाने उसे संभल से मुरादाबाद लेकर आया। उसकी हत्या करवाई और लाश को सड़क के किनारे फेंकवा दिया। पुलिस को पहले मामला एक्सीडेंट का ही लगा, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद केस ही पलट गया। रिपोर्ट में हत्या की बात सामने आई। पिता से पूछताछ हुई तो मामले का खुलासा हुआ। मुरादाबाद पुलिस ने अनिकेत के पिता और भाड़े के तीनों हत्यारों को अरेस्ट कर लिया है। मास्टरमाइंड वकील और उसके साथी की तलाश में पुलिस टीमें छापेमारी कर रही है।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं बालिकाओं को किया जागरूक

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के अंतर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की । आपात स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर्स। 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन , 181 महिला हेल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन साइबर अपराध से बचाव के लिए निम्न जानकारियाँ दी गई। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें । कभी भी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक डिटेल, ओटीपी आदि मांगने पर कभी न दें ।

सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते । किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने विना उसे फोरवर्ड व शेयर न करें । अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें । कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच, या धमकी पर विश्वास न करें ।प्लेस्टोर से जैनुइन ऐप ही डाउनलोड करें, प्लेस्टोर के अलावा कहीं से भी ऐप डाउनलोड न करें ।

शार्ट न्यूज

गन्ना सेंटर पर भीड़ से बढ़ा विवाद, ट्रैक्टर पर चढ़ाया ट्रैक्टर, किसान ने दी तहरीर, पुलिस जांच में जुटी

बीसलपुर। रामनगर जगतपुर गन्ना क्रय केंद्र पर शुक्रवार को भीड़ के कारण दो किसानों के ट्रैक्टरों की हल्की टक्कर हो गई। इसी बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने दूसरे किसान के ट्रैक्टर के ऊपर ही अपना ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित हरप्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह गन्ने से भरी ट्रॉली लेकर क्रय केंद्र पर पहुंचे थे। इसी दौरान गांव के ऋषि गोस्वामी, विजय गोस्वामी, रवि गोस्वामी और गोलू गोस्वामी भी ट्रैक्टर लेकर पहुंचे। भीड़ के चलते ट्रैक्टरों में हल्का स्पर्श हुआ, लेकिन आरोप है कि इसके बाद उक्त लोगों ने ट्रैक्टर चढ़ाकर नुकसान पहुंचाया और विरोध करने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी।प्रभारी निरीक्षक गौतम सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

पीलीभीत में 8 से 15 दिसंबर तक अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का आयोजन

पीलीभीत। भारत के हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने तथा हस्तशिल्प कारीगरों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जनपद में 8 दिसंबर से 15 दिसंबर 2025 तक अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, पीलीभीत में आयोजित होगा। उद्योग विभाग के अनुसार हस्तशिल्प सप्ताह के दौरान शासन की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी कारीगरों को उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उन्हें रोजगार, प्रशिक्षण और विपणन के क्षेत्र में नई संभावनाएं प्राप्त हो सकें। सभी हस्तशिल्पियों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की गई है।अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कनिष्ठ सहायक शिवराम सिंह से मोबाइल नंबर 8449133298 पर संपर्क किया जा सकता है।

कोर्ट के सजा सुनाते ही महिला ने जहर खाया

ललितपुर। ललितपुर में कोर्ट के सजा सुनाते ही महिला ने जहर खा लिया। 5 घंटे बाद उसकी मौत हो गई। वह हत्या के मामले में पेशी पर आई थी। महिला दोष सिद्ध होते ही फूट-फूटकर रोने लगी। उसने सल्फास की गोली निगल ली। जबतक लोग उसे रोक पाते उसने तुरंत पानी पी लिया। महिला की हालत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां 3 घंटे इलाज के बाद उसे झांसी रेफर कर दिया गया। लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। महिला दो साल पहले हुए युवक की हत्या मामले में आरोपी थी। जो एक साल से जमानत पर थी। मामला अपर जिला सत्र न्यायालय का है। कोतवाली सदर क्षेत्र के नेहरू नगर नैन्सी गार्डन के पास रहने वाले किशन (22) को 17 सितम्बर 2023 की रात 9 बजे पीटा गया था। आरोप था कि उसने मोहल्ले के लोगों से गाली-गलौज की। लड़कियों को अपशब्द कह रहा था। युवक को पीटने का आरोप गेंदाबाई (60), उसकी बेटी अशर्फी उर्फ अप्पी, बेटा बबलू, पति नंदलाल के अलावा सुरेंद्र, द्रोपाल पर लगा। बताया गया कि इन लोगों ने लाठी डंडों से किशन को पीटा था। मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं। थोड़ी देर इलाज के बाद अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

वाराणसी में क्रिकेट कोच ने किया कुकर्म

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस ने क्रिकेट की कोचिंग और टीम में सिलेक्शन के बहाने बच्चों से कुकर्म करने वाले को पकड़ा है। गिरफ्तारी एक बच्चे की मां की शिकायत पर हुई। पुलिस ने कोच को गिरफ्तार किया, तो वह गिड़गिड़ाने लगा। पुलिस के सामने कोच ने कबूल किया कि पिछले 5 साल में कई बच्चों से कुकर्म कर चुका है। पुलिस उसे शनिवार को गिरफ्तार कर कोर्ट ले जाने लगी, तो वह गिड़गिड़ाने लगा। घुटने के बल बैठकर बोला- साहब, अब हमको जीने की इच्छा नहीं है। वाराणसी के भेलूपुर इलाके में अंडर-14 के खिलाड़ियों के लिए क्रिकेट की कोचिंग है। यहां मुरालीलाल उर्फ गौतम कोच है। उसने मेडिकल चेकअप के बहाने 2 बच्चों को न्यूड किया और फिर दोनों के साथ कुकर्म किया। खिलाड़ियों के साथ यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा। लेकिन, डर की वजह से दोनों बच्चे अपने परिवारवालों को यह बात नहीं बता सके। एक बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर मां उसे अस्पताल लेकर गई। वहां डॉक्टर ने जांच के बाद मामला पूछा तो बच्चे ने पूरी बात बताई। इसके बाद मां अपने बेटे और उसके दोस्त को लेकर थाने पहुंची और पुलिस को पूरी बात बताई।

मां का गला काटकर थाने पहुंचा दरोगा का बेटा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक युवक ने अपनी मां की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद खून से टपकती हसिया लेकर थाने पहुंच गया। पुलिस से बोला- मम्मी को मार डाला है। लाश घर में पड़ी है। पुलिस वाले उसे हिरासत में लेकर उसके घर पहुंचे। जहां बुजुर्ग महिला की खून से सनी लाश पड़ी थी। पुलिस ने महिला का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। आरोपी ने पुलिस को बताया- वह मां की हत्या करने के बाद 2 घंटे तक लाश के पास ही बैठा रहा। युवक अपने परिवार में इकलौता बेटा है। उसके पिता आबकारी विभाग में दरोगा थे। घटना शनिवार दोपहर मोदी नगर की है। मोदीनगर की जनता कालोनी में वेद प्रकाश का घर है। वो आबकारी विभाग में दरोगा थे। रिटायरमेंट के बाद 2002 में उनकी मौत हो गई थी। उनकी 4 बेटियां और एक बेटा है। सभी की शादी हो चुकी है। इकलौता बेटा राहुल शर्मा अपनी मां मधु, पत्नी परिणिता और 8 साल के बेटे के साथ जनता कालोनी में रहता था। राहुल का अपनी मां से इसलिए विवाद होता था कि मां पेंशन अपनी बेटियों को देती थी। उसे डर था कि कहीं वह मकान भी बेटियों के नाम न कर दें। 8 दिन पहले भी राहुल ने मां से मारपीट की थी। तभी से लगातार दोनों के बीच झगड़ा चल रहा था।

शादी का प्रपोजल ठुकराने पर प्रेमिका को मारी गोली

नोएडा। नोएडा में हॉस्टल में घुसकर युवती की हत्या करने वाले प्रेमी को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। शादी से इनकार करने पर प्रेमी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने उसे बिहार से अरेस्ट किया है। पुलिस के अनुसार, युवती से आरोपी प्यार करता था। शादी के लिए प्रपोज किया तो उसने इनकार कर दिया। गुस्से में प्रेमी ने उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद वह गुजरात भाग गया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद कर ली है। वारदात 27 नवम्बर की नोएडा के फेज-2 थानाक्षेत्र की है। पुलिस ने आरोपी को भोजपुर जिले से उसे शुक्रवार को अरेस्ट किया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड हासिल कर शनिवार को लाया गया। हत्यारोपी की पहचान कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। कृष्ण कुमार बिहार के भोजपुर का रहने वाला है। मृतका सोनू और कृष्ण कुमार करीब तीन साल पहले नोएडा के सेक्टर 137 के एक ऑफिस में एक साथ काम करते थे। पुलिस ने बताया- सोनू ऑफिस में खाना बनाने का काम करता था तो कृष्ण कुमार ऑफिस ब्वॉय का काम करता था। इसी दौरान दोनों में बातचीत शुरू हुई। एक दूसरे से नजदीकियां बढ़ी। अगस्त 2025 में कृष्ण कुमार एक चोरी के आरोप में अरेस्ट कर लिया गया। जेल से छूटने के बाद उसने सोनू से बातचीत करने की कोशिश की तो उसने इनकार कर दिया। वह लगातार कोशिश करता रहा।

ग्रामीणों ने विद्युत टीम से की मारपीट

महोबा। महोबा के लाड़पुर गांव में विद्युत विभाग की टीम और ग्रामीण उपभोक्ताओं के बीच विवाद हो गया। बिजली का बकाया बिल जमा न करने पर कनेक्शन काटने गई टीम पर ग्रामीण महिलाओं ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस घटना में 10 सदस्यीय विद्युत टीम को घेरकर मारपीट की गई। यह घटना कुलपहाड़ कोतवाली क्षेत्र के लाड़पुर गांव में हुई, जहां बिजली विभाग की टीम बिजली बिल राहत योजना के तहत कैंप आयोजित कर रही थी। टीम ग्रामीणों को बकाया बिल जमा करने और योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रही थी। इसी दौरान, उपभोक्ता जयपाल राजपूत का 3,38,476 रुपए का बकाया बिल जमा न होने पर उनका कनेक्शन काट दिया गया। विद्युत विभाग के अनुसार, कनेक्शन काटे जाने के बाद जयपाल, चंद्र प्रकाश पाल और अन्य महिलाएं लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचीं और टीम के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान विभागीय अवर अभियंता का मोबाइल भी छीनकर फेंक दिया गया।

गर्लफ्रेंड का कर्जा उतारने के लिए मां-बेटी को मार डाला

गोरखपुर। गोरखपुर में मां-बेटी की हत्या किसी बाहरी बदमाश ने नहीं, बल्कि परिवार के बेहद करीबी युवक ने की थी।

वह रेलवे कर्मचारी का बेटा है। उसने भरोसे का फायदा उठाते हुए लूट की नीयत से दोनों को मार डाला।

घटना वाली रात उसने मां-बेटी को जमकर शराब पिलाई। फिर नशे में होने पर हथौड़े से हमला कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद घर में रखा करीब 4.50 लाख रुपए और सोने का ब्रेसलेट उठा ले गया।

युवक बीए लास्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा है। उसने कबूल किया कि उसने गर्लफ्रेंड के पिता का कर्जा उतारने के लिए हत्या की।

लूट के पैसों से युवक ने गर्लफ्रेंड को मोबाइल दिलवाया। बाकी बचे पैसों से कर्जा चुकाया। पुलिस ने 800 सीसीटीवी की फुटेज, 200 मोबाइल नंबरों की डिटेल और मोहल्ले-परिवार के लोगों से पूछताछ की। फिर 13 दिन बाद हत्याकांड का खुलासा किया।

शाहपुर थाना क्षेत्र के घोसीपुरवा में 23 नवंबर की रात शांति जायसवाल (75) और उनकी बेटी विमला (50) की हथौड़े से कूचकर हत्या कर दी गई थी। शांति देवी के पति की 30 साल पहले मौत हो गई थी।

पूरनपुर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

53 शिकायतें दर्ज, 02 का मौके पर निस्तारण

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील पूरनपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। समाधान दिवस में कुल 53 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।समाधान दिवस के दौरान राजस्व, चकमार्ग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सामने आईं।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक विभाग अपनी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और

समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं मौका मुआयना करें और शिकायतकर्ता तथा संबंधित पक्षों को बुलाकर शिकायतों का निपटारा पारदर्शी तरीके से कराएं।

निस्तारण आख्या को समय से पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई से आने वाली शिकायतों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि राजस्व मामलों में यदि पुलिस सहायता की आवश्यकता हो, तो पुलिस टीम के साथ मौके पर जाकर निस्तारण कराया जाए।समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने दो मृतक खातेदारों की वरासत की खतौनियां उनके वारिसों को सौंपकर उन्हें राहत प्रदान की।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव, जिला विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी पूरनपुर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहायक निबंधक सहकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपदस्तरीय आईसीटी प्रतियोगिता का आयोजन

पूनम तिवारी विशाल इण्डिया

अंबेडकर नगर। शनिवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान आलापुर अम्बेडकरनगर में जनपदस्तरीय आई.सी.टी. प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिक्षा में आई.सी.टी. के बढ़ते प्रयोग और नवाचारों को शिक्षकों के द्वारा साझा किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्रभारी वीना चौधरी ने कहा कि शिक्षा में आई.सी.टी. का प्रयोग अब केवल एक सहायक उपकरण नहीं, बल्कि आधुनिक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का एक अनिवार्य और परिवर्तनकारी हिस्सा बन गया है।आईसीटी समानता,

गुणवत्ता और दक्षता सुनिश्चित करके शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाता है। यह छात्रों को 21वीं सदी के कौशल—जैसे डिजिटल साक्षरता, आलोचनात्मक सोच और सहयोग—से लैस करता है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें। आज आयोजित प्रतियोगिता में सभी ब्लॉक के शिक्षकों ने प्रतिभा किया। तीन सदस्यीय निर्णायक समिति के द्वारा प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया गया। आज आयोजित प्रतियोगिता में महिला वर्ग में प्रथम स्थान दीप्ती वर्मा, उच्च.प्रा.वि.जोरियन कटुई अकबरपुर,द्वितीय स्थान अनुपम वर्मा कंपोजिट उच्च. प्रा. वि. कांदीपुर जलालपुर प्राप्त हुआ और पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान नवीनचंद्र गौतम प्रा. वि .अशरफपुर किछौछा बसखारी,द्वितीय स्थान रजनीश, पी.एम.श्री विद्यालय लोहरा बरामदपुर कटेहरी को प्राप्त हुआ। ऐश्वर्य राज लक्ष्मी के द्वारा कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस कार्यक्रम में डायट से दिनेश कुमार मौर्य, अब्दुल फैजान, शशिकांत, डॉ सुरेश कुमार, शुचि राय,रामसूरत आदि प्रवक्ता उपस्थित रहे।

झांसी में एसपी के फॉलोअर ने सुसाइड किया

झांसी। झांसी में शनिवार सुबह एसपी के फॉलोअर ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। वह शादी से एक दिन पहले ही ड्यूटी पर लौटे थे। शनिवार सुबह किसी पारिवारिक विवाद के बाद उन्होंने सल्फॉस की गोली खा ली। तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार ने मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मॉर्च्युरी भेज दिया। रविवार को पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर घटना की जांच कर रही है। मृतक का नाम आदेश रायकवार (50) पुत्र रामावतार था। वह औरैया के फफूंद गांव का रहने वाला था। मृतक के बेटे कार्तिक ने बताया- मेरे पिताजी आदेश एसपी ग्रामीण के फॉलोअर के रूप में तैनात थे। हमारा परिवार घरईया लाइन स्थित सरकारी आवास में रहता है। 2 दिन पहले पिताजी एक शादी समारोह से लौटे थे। उस दौरान घर में कुछ विवाद भी हुआ था, जिसके बाद से वह मानसिक रूप से बहुत परेशान चल रहे थे। शुक्रवार की रात वह घर आए और सो गए। शनिवार सुबह उन्होंने सल्फॉस खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर हम उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, पत्नी ने कहा- उन्होंने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण मुझे नहीं पता है।

नाबालिग से दुष्कर्म में वांछित आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। सौजना पुलिस ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक, कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी महरौनी, आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सौजना पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0- 172/2025 धारा 87/137(2)/65(1) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त किशोरीलाल उर्फ राहुल पुत्र हरिया अहिरवार उम्र करीब 21 वर्ष नि0 ग्राम भौंयरा थाना बंगुआ जिला छतरपुर म0प्र0 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष अजय पाल सिंह उ. नि. प्रवीण गिरि कां. गौरव कुमार आदि शामिल रहे।

कमिश्नर, डीएम व एसपी ने समाधान दिवस पर सुनी जनशिकायतें

भूमि विवादों में राजस्व व पुलिल की संयुक्त टीम मौके पर जाकर करायें निस्तारण

ललितपुर। शनिवार को सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मण्डलायुक्त झांसी मण्डल झांसी श्री बिमल कुमार दुबे, जिलाधिकारी सत्य प्रकाश व पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक ने शहर व ग्रामीण अंचलों से आये फरियादियों की शिकायतों को सुना और मौके पर कई शिकायतों का निस्तारण भी कराया।

उन्होंने एक-एक कर शिकायकर्ताओं को अपने पास बुलाया और उनकी पूरी बात सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को अवगत कराया और शिकायती पत्र सौंपते हुए

निर्देशित किया कि मौके पर जाकर समस्या का निस्तारण कराना सुनिश्चत करें। मण्डलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यहां पर अधिकांश शिकायतें भूमि विवाद सम्बंधी आती हैं, इन शिकायतों में राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर स्थलीय सत्यापन करे और निष्पक्ष व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें। शहर के एक शिकायतकर्ता ने वार्ड नं0-10 में गली में विद्युत पोल शिफ्ट कराने की शिकायत दी, जिस पर अधिशासी अभियंता विद्युत नगरीय को बुलाकर निर्देश दिये गए कि वे मौक पर जाकर स्थिति का जायजा लें और नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर अवगत करायें। शहर के ही राजपूत कॉलोनी निवासी विन्द्रावन ने कोर्ट पर मामला विचाराधानी होने के बावजूद उनकी जमीन पर विपक्षियों द्वारा किये जा रहे निर्माण को रोकने हेतु शिकायती पत्र दिया, जिस पर राजस्व व पुलिस अधिकारियों को स्थल पर जाकर दोनो पक्षों के बीच आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण कराने के निर्देश दिये।

उत्तर प्रदेश सरकार नारी सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए है समर्पित : मा0 अध्यक्षा, उ0प्र0 राज्य महिला आयोग

ललितपुर। उत्तर प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर त्वरित गति से निस्तारित करने के लिए गंभीर है, इसकी बानगी आज शनिवार को राजधानी से दूरस्त व पिछड़े जनपद ललितपुर में देखने को मिली, जहां जनपद में एक तरफ सम्पूर्ण समाधान दिवस के अंतर्गत तहसील सदर में कमिश्नर, डीएम व

एसपी जनसुनवाई कर जनता की समस्याओं को निस्तारित करा रहे थे, वहीं दूसरी तरफ उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त डॉ बबीता सिंह चौहान अपने सदस्या अर्चना पटेल के साथ कलैक्ट्रेट सभागार में प्रभावी जनसुनवाई कर जनपद की महिलाओं की समस्याओं को निस्तारित करा रही थीं।

पिता ने मासूम बेटे को पैर से कुचलकर मार डाला

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में एक पिता ने अपने 7 साल के बेटे की हत्या कर दी। पहले कई थप्पड़ मारे। फिर पैर पकड़ कर जमीन पर पटक दिया। इसके बाद उसके चेहरे पर कई बार पैर से मारा। गांव वालों से बोला- मेरे बेटा गायब हो गया है। अगले दिन घर से 300 मीटर दूर खून से लथपथ बच्चे का शव मिला था। बच्चे के दादा ने पुलिस में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने जब अगले दिन पूछताछ की तो बच्चे का पिता फरार हो गया। 5 दिन बाद शनिवार को उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने बताया कि मेरी पत्नी का किसी युवक से अफेयर है। उसी को हत्या के आरोप में फंसाने के लिए मैंने बेटे को मार डाला। घटना 30 नवंबर की चौबेपुर गांव की है। चौबेपुर गांव के रहने वाले बाबूलाल ने बताया कि मेरे घर में पिता, मां, पत्नी पूनम वर्मा और दो बेटे, आर्यन (9) और यश (7) रहते थे। 11 साल पहले मेरी शादी हुई। शादी के बाद सबकुछ ठीक था। लेकिन कुछ सालों से मेरी मेरी पत्नी का गांव की कुछ लोगों से अफेयर चलने लगा। इसके बारे में मुझे पता चलने पर दोनों में झगड़ा होता। कुछ दिन से मेरी पत्नी एक लड़के से बात कर रही थी। यह बात मुझे बर्दाश्त नहीं हो रही थी।

संक्षिप्त समाचार

इराक ने हिजबुल्लाह और हूती के फंड को किया फ्रीज

बगदाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच इस क्षेत्र के देश इराक ने एक बड़ा कदम उठाते हुए लेबनान के हिजबुल्लाह और यमन के हूती समेत ईरान-समर्थित सशस्त्र समूहों का धन फ्रीज करने का एलान किया है। इराक के आधिकारिक राजपत्र में यह जानकारी दी गई। अमेरिका का इस फैसले के स्वागत करन की उम्मीद है क्योंकि अमेरिका लंबे समय से इराक और मध्य पूर्व के अन्य देशों में ईरान का प्रभाव कम करना चाहता है। हालांकि, इराक अमेरिका और ईरान दोनों का साझेदार है और वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दबाने वाली नीति के बीच फंसने से बचता रहा है। ईरान के लिए इराक एक महत्वपूर्ण पड़ोसी है।

रूस ने चरमपंथी सामग्री फैलाने के आरोप में अमेरिकी गेमिंग प्लेटफार्म रोब्लॉक्स को किया ब्लॉक

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिकी बच्चों के गेमिंग प्लेटफार्म रोब्लॉक्स को चरमपंथी सामग्री और एलजीबीटी प्रचार फैलाने के आरोप में ब्लॉक कर दिया है। रूसी संचार निगरानी संस्था रोसकोम्नाड्जोर ने बुधवार को इसकी घोषणा की। रोसकोम्नाड्जोर ने कहा कि रोब्लॉक्स पर अनुचित सामग्री की भरमार है, जो बच्चों के आध्यात्मिक और नैतिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। रोब्लॉक्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे स्थानीय कानूनों का सम्मान करते हैं। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि उनकी कंपनी सीखने और सृजन के लिए एक सकारात्मक जगह प्रदान करती है। गौरतलब है कि, रोब्लॉक्स के दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता 15.15 करोड़ हैं।

अमेरिका ने ड्रग तस्करी का आरोप लगा एक और नौका को बनाया निशाना, अब तक 22 हमलों में गई 87 की जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना की दक्षिणी कमांड ने बताया है कि उन्होंने गुरुवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में एक और नौका को निशाना बनाया है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि नौका के जरिए ड्रग तस्करी की जा रही थी। गुरुवार को किया गया हमला अमेरिकी सेना का कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में किया गया 22वां हमला है, जिसमें चार लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि गुरुवार के हमले के बाद अमेरिका के ड्रग तस्करी की संदिग्ध नौकाओं को निशाना बनाने में अब तक करीब 87 लोगों की मौत हो चुकी है। एक वीडियो में दिख रहा है कि एक छोटी नौका समुद्र में तेजी से जा रही है और अचानक से उसमें विस्फोट होता है और नौका आग की लपटों में घिर जाती है। यह हमला उसी दिन किया गया है, जब अमेरिकी संसद अमेरिकी सेना द्वारा 2 सितंबर को पहली बार एक छोटी नौका को निशाना बनाए जाने की जांच कर रही है। अमेरिकी सेना के एडमिरल फ्रैंक ब्रैडली गुरुवार को ही अमेरिकी सांसदों के सामने पेश हुए। 2 सितंबर के हमले में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें दावा किया गया कि एडमिरल ब्रैडली ने हमले में बचे हुए लोगों को मारने के लिए फिर से हमले का आदेश दिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्रैडली ने डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के आदेश के बाद दूसरा हमला किया था। कानूनी जानकारों ने कहा है कि समुद्र में हमले में बचे लोगों को मारना युद्ध के कानूनों का उल्लंघन हो सकता है।

रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला, 15 लाख लोग अंधेरे में ; 36 मिसाइल-600 ड्रोन हमलों से तबाह ऊर्जा संयंत्र

कीव/मास्को, एजेंसी। यूक्रेन पर रूस के ताजा हमलों ने युद्ध को एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर ला खड़ा किया है। पिछले 48 घंटे के भीतर यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक रूसी सेना ने लगभग 36 बैलिस्टिक मिसाइलों और करीब 600 ड्रोन के जरिए व्यापक हमला किया, जिसमें कई बड़े ऊर्जा संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं और लगभग 15 लाख लोग अंधेरे में डूब गए हैं। खेरसोन, सूमी का बड़ा हिस्सा, खारकीव शहर और खारकीव क्षेत्र के विल्वा स्थित सैन्य अड्डे पर हुए हमलों ने न सिर्फ बिजली आपूर्ति ठप कर दी, बल्कि यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं और नागरिक ढांचे दोनों को गंभीर चोट पहुंचाई है। इन हमलों के दौरान 20 से अधिक नागरिकों के मारे जाने की भी खबर है। यूक्रेनी मीडिया सस्पिल्ने और किर्विक इंडिपेंडेंट के अनुसार यूक्रेनी ऊर्जा मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन के हवाले से मिल रही जानकारी के अनुसार रूस ने इस हमले की प्राथमिक दिशा के रूप में ऊर्जा अवसंरचना और सैन्य अड्डों को चुना। खेरसोन और सूमी क्षेत्र में प्रमुख विद्युत उपकेंद्रों और ट्रांसफॉर्मर स्टेशनों को निशाना बनाए जाने की वजह से पूरे इलाकों में लंबे समय के लिए बिजली कटौती लागू करनी पड़ी। खारकीव शहर और उसके आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित होने के साथ-साथ पानी के पंपिंग स्टेशन और ट्राम-मेट्रो जैसी शहरी सुविधांए ठप हो गईं।

पाकिस्तान में मुनीर पहले सीडीएफ बने, 44 अमेरिकी सांसदों ने की असीम के वीजा बैन-संपत्ति जब्त की मांग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज नियुक्त कर दिया है। उनका कार्यकाल 5 साल का होगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मुनीर को आर्मी चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज दोनों पदों के लिए जो सिफारिश भेजी थी, उसे राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति भवन ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में लिखा कि आसिम मुनीर को एक साथ दोनों पदों पर अगले पांच वर्षों के लिए नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान में दमन के विरुद्ध लामबंद हुए 44 अमेरिकी सांसद हाल ही में 40 से ज्यादा अमेरिकी सांसदों ने पाकिस्तान में जनता पर किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को लिखी चिट्ठी में इन सांसदों ने कहा कि सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नियंत्रण वाली पाकिस्तानी सरकार खुलकर दमनकारी नीतियां अपना रही है। नागरिक समाज को कुचला जा रहा है। सैन्य शासन को चुनौती देने वाली हर आवाज खत्म की जा रही है। दमन की इस कार्रवाई में कुछ आला अधिकारी भी शामिल हैं। सांसदों ने अमेरिकी सरकार

से पूछा है कि इन हालात के दोषी आसिम मुनीर जैसे लोगों के खिलाफ वीजा प्रतिबंध और संपत्ति जब्ती जैसे कदम क्यों नहीं उठाए गए। सांसदों ने इन सभी अधिकारियों के अमेरिका में घुसने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। चिट्ठी लिखने वाले सांसदों में अमेरिकी कांग्रेस की प्रमिला जयपाल, रशीदा तालिब और ग्रेग कैसर जैसे 44 नाम शामिल हैं। यह पत्र ऐसे वक्त सामने आया है, जब हाल ही में पाकिस्तान के संविधान में बड़ा संशोधन किया गया है। इसके तहत सेना प्रमुख आसिम मुनीर को असीमित अधिकार दिए गए हैं।

अमेरिकी नागरिकों व परिजनों को किया जा रहा प्रताड़ित : पत्र में सांसदों ने कहा कि पाकिस्तान में अधिनायकवादी अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने वाले अमेरिकी नागरिकों और उनके परिजनों को धमकियों और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में रखा जा रहा है। जोर-जबर्दस्ती करने के साथ-साथ उनके साथ हिंसा भी की गई है। ये घटनाएं नागरिक और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं और मौलिक स्वतंत्रता को व्यवस्थित रूप से नष्ट किया जा रहा है। सांसदों ने कहा है कि अमेरिका और पाकिस्तान की साझेदारी अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह साझेदारी मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक शासन और कानून के राज के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित होनी चाहिए। खोजी पत्रकार के भाइयों को किया अगवा, संगीतकार को धमकाया सांसदों ने कहा है कि सेना के भ्रष्टाचार पर रिपोर्टिंग के लिए जाने जाने वाले वर्जीनिया के खोजी पत्रकार अहमद नूरानी लगातार धमकियों का सामना कर रहे हैं। उनकी एक खोजी रिपोर्ट के बाद इस्लामाबाद में उनके भाइयों को घर से अगवा कर पीटा गया और एक महीने से ज्यादा हिरासत में रखा गया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना को उदाहरण के तौर पर पेश किया। इसी तरह, सेना ने संगीतकार सलमान अहमद को भी डराया धमकाया। अमेरिका और पाकिस्तान दोनों में उनके परिवार को धमकियां दी गईं। बिना किसी आरोप के उनके साले को अगवा कर एफबीआई के हस्तक्षेप तक हिरासत में रखा गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में स्वतंत्र पत्रकारों को परेशान किया जाता है, अगवा किया जाता है या देश छोड़ कर भागने पर मजबूर किया जाता है।

बलूचिस्तान में हिंसा : चिट्ठी में सांसदों ने बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के जुल्म का खासतौर से जिक्र किया है। महिलाएं, धार्मिक अल्पसंख्यक और खासकर बलूचिस्तान में हाशिए पर धकेले गए समूह भयंकर हिंसा और निगरानी का सामना करते हैं। यह नागरिक समाज को कुचलने वाले एक सुनियोजित अभियान को दर्शाता है। विपक्षी नेताओं को बिना आरोप अनिश्चितकालीन हिरासत में रखा जाता है। निष्पक्ष मुकदमे से वंचित किया जाता है। आम नागरिकों को सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर गिरफ्तार किया जाता है। पाकिस्तान की यह अधिनायकवादी व्यवस्था लगातार दमन के माध्यम से कायम है।

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, यूनुस सरकार ने लगाए ये गंभीर आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद जारी कानूनी कार्रवाइयों ने नया मोड़ ले लिया है। ढाका के एक विशेष अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्राइब्यूनल ने गुरुवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के विदेश में रह रहे बेटे सजीब वाजेद जॉय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब हसीना को पिछले महीने जुलाई विद्रोह से जुड़े मानवता विरोधी अपराधों में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। ट्राइब्यूनल ने बताया कि जॉय पर भी जुलाई विद्रोह के दौरान मानवता विरोधी अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। इसी मामले में तत्कालीन आईसीटी राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक के खिलाफ भी वारंट जारी हुआ है, जो पहले से जेल में हैं। जॉय हसीना सरकार में आईसीटी मामलों के सलाहकार थे। हालांकि वो अमेरिका में रहते हैं और ट्राइब्यूनल के समन का अब तक जवाब नहीं दे रहे हैं। अभियोजकों का कहना है कि उनके खिलाफ आरोप स्पष्ट हैं और ट्रायल में अनुपस्थित रहने के कारण अब गिरफ्तारी वारंट आवश्यक हो गया।

जुलाई विद्रोह और सत्ता परिवर्तन : जुलाई 2025 में छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक जनआंदोलन ने शेख हसीना की सरकार को उखाड़ फेंका। यह आंदोलन बाद में जुलाई विद्रोह के नाम से जाना गया। आंदोलन के दौरान भारी हिंसा हुई और अंतरिम सरकार ने जनवरी में

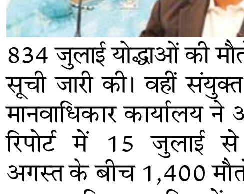

834 जुलाई योद्धाओं की मौतों की सूची जारी की। वहीं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट में 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच 1,400 मौतों का अनुमान दिया था, जिसमें पुलिस और अवामी लीग कार्यकर्ताओं के खिलाफ बदले की हिंसा भी शामिल थी।

मौत की सजा और अन्य बड़े फैसले : इसी विद्रोह से जुड़े मानवता विरोधी अपराधों में ट्राइब्यूनल ने पहले ही शेख हसीना और उनके तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जामान खान कमाल को मौत की सजा सुनाई है। उनका ट्रायल अनुपस्थिति में हुआ क्योंकि दोनों देश छोड़ चुके थे। अदालत ने माना कि आंदोलन को कुचलने के लिए सरकारी कार्रवाई बेहद क्रूर और योजनाबद्ध थी, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और दमन शामिल था।

अन्य नेताओं पर भी कार्रवाई तेज : ट्राइब्यूनल ने गुरुवार को एक और मामले में पूर्व विधि मंत्री अनिसुल हक और पूर्व निवेश सलाहकार सलमान एफ. रहमान के खिलाफ भी औपचारिक आरोप स्वीकार कर लिए।

ट्रंप ने दो और देशों में करा दिया समझौता, वाशिंगटन अकॉर्ड दिया नाम

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक राजनीति के हिसाब से दिसंबर का शुरुआती हफ्ता काफी दिलचस्प है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन चार साल बाद भारत यात्रा पर आए हुए हैं। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों इन समय पर चीन की यात्रा पर हैं। इसी बीच खुद को समझौता और शांति दूत कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने दो और देशों (कांगो और रवांडा) के बीच शांति समझौता कायम करवा दिया है। अमेरिका राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच में शांति समझौते और रेयर अर्थ मिनरल डील को साइन किया। उन्होंने इस समझौते को वाशिंटगन अकॉर्ड नाम दिया। हालांकि, क्या इस समझौते के बाद 30 साल से चला आ रहा यह संघर्ष खत्म हो जाएगा इस पर संशय बना हुआ है। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ मौजूद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद संबोधन भी दिया। उन्होंने कहा, 'इन्होंने (दोनों देशों ने) बहुत समय एक-दूसरे को मारने में बिताया है। अब ऐसा नहीं होगा... अब यह बहुत समय गले मिलने, हाथ पकड़ने और अमेरिका की आर्थिक मदद करके सभी का फायदा करने में बिताएंगे, जैसा की हर देश करता है।'

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम ने इस समझौते को वॉशिंगटन अकॉर्ड्स नाम दिया है। इस समझौते को उस संस्थान में साइन किया गया, जिसे पहले यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस कहा जाता था। एक दिन पहले ही ट्रंप प्रशासन ने इसका नाम बदलकर ट्रंप के नाम पर रखा है। आपको बता दें, शांति समझौते के साथ ही अमेरिका और कांगो ने रेयर अर्थ मिनरल्स को लेकर भी समझौता किया। इसके तहत महत्वपूर्ण खनिजों, सोने और रेयर अर्थ मेटल्स का रणनीतिक भंडारण किया जाएगा। कांगो के राष्ट्राध्यक्ष की तरफ से वादा किया गया कि इन संसाधनों के विकास के लिए अमेरिकी कंपनियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इतना ही नहीं कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिज को लेकर भी दोनों देशों के बीच में साझेदारी हुई। दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में लगातार गृहयुद्ध के हालात बने हुए हैं। इनमें से एक विद्रोही गुट एम23 को रवांडा का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में अमेरिका ने हस्तक्षेप करके इस संगठन को रोका और राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी की सरकार गिरने से बचा ली।

2025 में सबसे अधिक गलत बोले गए शब्दों की सूची जारी, मामदानी और लूवर म्यूजियम के नाम भी शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। इस साल की खबरों में कई नामों का उच्चारण सही से नहीं किया गया, जिसने अमेरिकी नागरिकों को उलझन में डाल दिया। इनमें न्यूयॉर्क के नए मेयर जोरान मामदानी और पेरिस के मशहूर लूवर म्यूजियम का नाम भी शामिल हैं। इस साल इन दो नामों का सर्वाधिक गलत उच्चारण किया गया। दरअसल, एक सूची जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि किन नामों का सबसे ज्यादा बार गलत उच्चारण किया गया।

भाषा सिखाने वाली कंपनी बैबेल और कैप्शन बनाने वाली कंपनी द कैप्शनिंग ग्रुप ने गुरुवार को यह सूची जारी की। इसमें वे शब्द हैं जिन्हें अमेरिका के टीवी एंकर, नेता और दूसरे लोग पूरे साल गलत बोलते रहे। इससे पता चलता है कि लोग किन चीजों के बारे में सबसे ज्यादा बात कर रहे थे। मामदानी

जैसे-जैसे राजनीति में ऊपर आते गए, लोग उनके नाम को गलत बोलते रहे। जनवरी में जब वह मेयर बनेंगे, तो वह शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। वह पहले अफ्रीका में जन्मे और पहले दक्षिण एशियाई मूल के मेयर होंगे। बैबेल का कहना है कि उनके नाम का सही उच्चारण 'जो-रान माम-दानी' है। लोग उनके नाम के 'एम' और 'एन' को बदलकर गलत बोल देते हैं। मामदानी ने कहा कि अगर कोई कोशिश करता है और उनका नाम गलत बोल देता है तो उन्हें परेशानी नहीं होती, लेकिन कुछ लोग जानबूझकर गलत बोलते हैं। मेयर पद के लिए एक बहस में उन्होंने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुयोमो को कहा था- 'मेरा नाम मामदानी है।' अक्तूबर में लूवर म्यूजियम से फ्रांस के शाही जवाहरात की चोरी सुर्खियों में रही, लेकिन इसके साथ ही म्यूजियम के नाम का उच्चारण भी लोगों के लिए चुनौती बन गया। बैबेल के मुताबिक इसका सही उच्चारण लूव-र है, जिसमें 'र' बहुत हल्के स्वर में बोला जाता है। बैबेल के भाषाई विशेषज्ञ एस्टेबन टौमा का कहना है कि कठिनाई का मुख्य कारण यह है कि कई शब्द अलग-अलग भाषाओं से आते हैं और अंग्रेजी बोलने वालों को नए स्वरों को अपनाने में परेशानी होती है।

सूची में अन्य कौन शब्द शामिल हैं : एसिटामिनोफेनः यह टायलेनॉल दवा की मुख्य सामग्री है। उसका सही उच्चारण अ-सी-ट-मि-न-फेन है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस शब्द को बोलते हुए अटक गए थे। वह गर्भवती महिलाओं से यह दवा न लेने की बात कर रहे थे, जबकि इसके नुकासन के बारे में पक्के प्रमाण नहीं थे। उनकी गलती के बाद कॉमेडियन इस पर मजाक बनाते रहे। एलेक्स मर्डोकः वह दक्षिण कैरोलिना के वकील हैं। उन्हें अपनी पत्नी और बेटे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिली।

अमेरिका में ट्रैवल बैन विस्तार पर विचार, 19 से बढ़ाकर 30 देशों पर सख्त प्रतिबंध की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रवास नीति को एक बार फिर वैश्विक बहस के केंद्र में ला रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार ट्रंप प्रशासन वर्तमान यात्रा प्रतिबंध को 19 देशों से बढ़ाकर 30 से अधिक देशों तक विस्तार करने पर गंभीर विचार कर रहा है। यह कदम हाल ही में हुए सुरक्षा घटनाक्रमों और आव्रजन प्रक्रियाओं पर लगाए गए अस्थायी ठहराव के बीच लिया जा रहा हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर सिफारिश की है कि प्रतिबंध सूची में कम से कम 30-32 देशों को शामिल किया जाए। बता दें कि नोएम ने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि देश को सुरक्षा, आर्थिक संसाधनों और सामाजिक ढांचे पर दबाव से बचाने के लिए कठोर कदम उठाए जाना आवश्यक हैं। इस बयान के बाद अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य में आव्रजन को लेकर बहस और तीव्र हो गई हैं। मौजूद रिपोर्टों के अनुसार इस वर्ष की शुरुआत में 19 देशों के ग्रीन कार्ड और अन्य इमिग्रेशन आवेदनों को रोक दिया गया था। ट्रंप प्रशासन ने यह निर्णय उन दो नेशनल गार्ड सैनिकों पर हमले की घटना के बाद लिया था, जिसमें अफगान मूल के संदिग्ध पर हमला करने का आरोप लगा था। उसी के बाद से हाई-रिस्क देशों की सूची में शामिल नागरिकों के प्रवेश और लाभ आवेदन प्रक्रियाओं पर सख्त नियंत्रण लागू किया गया हैं। यूएससीआईएस ने अपने नए मेमो में यह स्पष्ट किया है कि अब इन देशों से आए नागरिकों के पहले से स्वीकृत आवेदनों की भी दोबारा समीक्षा की जाएगी और जरूरत पड़ने पर इंटरव्यू या पुनः इंटरव्यू की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी। बता दें कि पहले जिन लोगों को प्रतिबंध लागू होने से पहले अमेरिका में रहने की छूट दी गई थी, उन्हें अब अधिक निगरानी और सत्यापन प्रक्रिया का सामना करना होगा। एजेंसी डायरेक्टर के पास यह अधिकार सुरक्षित रहेगा कि यह रोक कब हटाई जाए और किन आवेदनों पर पुनर्विचार आवश्यक है। इसी क्रम में उल्लेखनीय यह भी है कि हाल ही में यूएससीआईएस ने शरण से जुड़े सभी मामलों को अस्थायी तौर पर स्थगित कर दिया है, जबकि स्टेट डिपार्टमेंट ने उन अफगान नागरिकों के वीज़ा मामलों पर भी रोक लगा दी है, जिन्होंने पहले अमेरिकी सेना की सहायता की थी। यह निर्णय नीति में व्यापक पुनर्समीक्षा का संकेत देता है, विशेषकर उन आव्रजन लाभों के संबंध में जो बाइडेन प्रशासन के दौरान स्वीकृत किए गए थे। गौरतलब है कि जून में 12 देशों पर पूर्ण प्रवेश प्रतिबंध और 7 देशों पर सीमित प्रतिबंध लागू किया गया था, लेकिन यह संशोधित नीति अब उन सभी पर लागू हो रही है, जो प्रतिबंध लागू होने से पहले अमेरिका में रह रहे थे।

अमेरिका ने वर्क परमिट की अवधि कम की, हजारों भारतीय पेशवरों पर पड़ेगा असर

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के इमिग्रेशन सिस्टम में एक बड़ा बदलाव करते हुए यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) ने यह घोषणा की है कि अब एम्प्लॉयमेंट ऑथराइजेशन डॉक्यूमेंट्स यानी ईएडी की अधिकतम वैधता अवधि घटा दी जाएगी। इस फैसले का असर लाखों भारतीय पेशेवरों और उनके परिवारों पर पड़ेगा। एजेंसी का कहना है कि यह बदलाव सुरक्षा जांच को मजबूत करने और संभावित जोखिमों का पता लगाने के लिए जरूरी है। यूएससीआईएस ने कहा कि नई नीति से अमेरिका में काम करने की अनुमति मांगने वाले लोगों की बार-बार जांच हो सकेगी, जिससे धोखाधड़ी रोकी जा सके और ऐसे व्यक्तियों की पहचान की जा सके जिनके इरादे हानिकारक हों, ताकि उन्हें देश से हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। डायरेक्टर जोसेफ एडलो ने इस फैसले को पब्लिक सेफ्टी की चिंताओं से जोड़ा। उन्होंने कहा कि रोजगार-अनुमति अवधि कम करने से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि जो लोग अमेरिका में काम करना चाहते हैं, वे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा न बनें और देश-विरोधी विचारधाराओं को न बढ़ाएं।

उन्होंने हाल ही की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड के सैनिकों पर हमला करने वाला व्यक्ति पिछले प्रशासन द्वारा देश में आने दिया गया था। इस घटना के बाद यह और जरूरी हो गया है कि

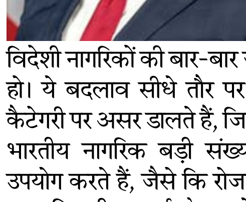

विदेशी नागरिकों की बार-बार जांच हो। ये बदलाव सीधे तौर पर कई कैटेगरी पर असर डालते हैं, जिनका भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में उपयोग करते हैं, जैसे कि रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के आवेदक और वे एच-1बी कर्मचारी जिनकी प्रक्रिया चल रही है। अब नई नीति के अनुसार शरणार्थियों, आश्रय मांगने वालों, हटाने की प्रक्रिया से राहत पाने वालों और ग्रीन कार्ड आवेदन (आईएनए 245) करने वालों को दिए जाने वाले ईएडी पहले पांच साल के लिए मान्य होते थे, लेकिन अब ये केवल 18 महीने के लिए मान्य होंगे।

पॉलिसी अलर्ट में कहा गया है कि यह नियम 5 दिसंबर, 2025 को या उसके बाद लंबित या दायर किए गए सभी आवेदनों पर लागू होता है। पहले से ही वर्षों से ग्रीन कार्ड की लंबी प्रतीक्षा झेल रहे भारतीय आवेदकों के लिए यह बदलाव नई चिंता पैदा कर सकता है। बहुत से भारतीय लंबे समय तक नौकरी जारी रखने के लिए लंबे समय वाले ईएडी और एडवांस पैरोल दस्तावेजों पर निर्भर रहते हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय अमेरिका में रोजगार-आधारित वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। वे इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

पाकिस्तान में 1817 मंदिर-गुरुद्वारों में से सिर्फ 37 सही हालत में, अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों का हाल-बेहाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक ससंदीय समिति की रिपोर्ट में पड़ोसी देश के अंदर हिंदुओं की स्थिति को लेकर एक बेहद ही चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों के धार्मिक स्थलों की संख्या भी लगातार घट रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में 1817 हिंदू मंदिरों और गुरुद्वारों में से अब सिर्फ 37 ही चालू स्थिति में हैं। ये आंकड़े एक गंभीर वास्तविकता को उजागर करते हैं।

अल्पसंख्यक कॉकस पर संसदीय समिति के सामने पेश की गई एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि पूरे पाकिस्तान में 1,285 हिंदू मंदिरों और 532 गुरुद्वारों में से सिर्फ 37 ही चालू स्थिति में हैं। अन्य धार्मिक स्थल खराब सरकारी रखरखाव और हिंदू व सिखों की घटती आबादी के कारण जर्जर होते जा रहे हैं। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक, यह स्थिति सरकार की बेरुखी के कारण बनी है। समिति का संयोजक चुने जाने के बाद सीनेटर दानिश कुमार ने संकल्प लिया कि कॉकस अल्पसंख्यक सुरक्षा के सांविधानिक वादों को मूर्त रूप देने के लिए प्रयास करेगा। समिति के पहले सत्र में उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को सांविधानिक अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि न्याय और समानता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल नीतिगत सुधारों को लागू किया जाना चाहिए। इस दौरान समिति के सदस्य डॉ रमेश कुमार वंकवानी ने इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की कड़ी आलोचना की। कहा कि वह अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंदिरों और गुरुद्वारों की देखभाल करने में पूरी तरह असफल रहा है। पैनल के सदस्यों ने भरोसा जताया कि फोरम अब अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन नहीं होने देगा। 2025 में पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में 25 फीसदी का इजाफाः थिंक टैंक रिपोर्ट पाकिस्तान में आतंकवाद फिर

बढ़ रहा है और 2025 में हिंसक घटनाएं 25 फीसदी बढ़ी हैं। खैबर पख्तूनख्वा सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यह खुलासा इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक अनुसंधान और सुरक्षा अध्ययन केंद्र (सीआरएसएस) की बुधवार को जारी रिपोर्ट में हुआ है। सीआरएसएस के मुताबिक,जनवरी से नवंबर 2025 तक दर्ज की गई कुल 3,187 मौतों में से 96 फीसदी से अधिक और हिंसा की सभी घटनाओं में से 92 फीसदी खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2024 में 2,546 लोग मारे गए थे, यानी बीते साल से लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। 2024 में 2,546 मौतें और 1,981 लोग घायल हुए थे। इनमें आम नागरिक, सुरक्षाकर्मी और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में मारे गए उग्रवादी शामिल थे। इस साल 1,188 हिंसक घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें आतंकी हमले और जवाबी कार्रवाई शामिल रही। ये ज्यादातर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान से बढ़ते तनाव और झड़पों के बाद खैबर पख्तूनख्वा में हाल के महीनों में हिंसा चरम पर है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने नवंबर 2022 में युद्धविराम टूटने के बाद हमले फिर शुरू कर दिए।

क्विंटन डी कॉक का 'विराट' रिकॉर्ड, सचिन-रोहित के क्लब में शामिल, भारत के खिलाफ जड़ा 7वां शतक

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ क्विंटन डी कॉक ने अपने 13,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं और इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने वाले अपने देश के सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। ??इस अनुभवी विकेटकीपर ने भारत के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पहले दो मैचों में दो कम स्कोर से उबरते हुए प्रोटियाज़ के लिए अपना 23वाँ एकदिवसीय शतक जड़ा। उन्होंने 89 गेंदों में आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से 119.10 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अब तक 311 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, डी कॉक ने 40.24 की औसत और 93.71 के स्ट्राइक रेट से 13,088 रन बनाए हैं, जिसमें 347 पारियों में 30 शतक और 70 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 रहा है। इस शतक के साथ, वनडे में उनके अर्धशतक से शतक तक पहुँचने की दर बढ़कर 41.81 प्रतिशत हो गई है, जो भारतीय वनडे के उस्ताद विराट कोहली (41.40 प्रतिशत) से ज़्यादा है। डी कॉक ने वनडे में 55 अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें से 23 शतकों में बदले हैं।

इसके अलावा, उन्होंने 23-23 शतकों के साथ, एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा की बराबरी कर ली है। डी कॉक ने एक अन्य श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या के साथ एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में बराबरी कर ली है। उन्होंने केवल 23 पारियों में भारत के खिलाफ अपना सातवां शतक पूरा किया है, जबकि जयसूर्या ने 85 पारियों में ये सात शतक लगाए थे। भारत के खिलाफ 23 एकदिवसीय मैचों में, क्विंटन ने 51.78 की औसत और 93 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,191 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है। भारत में अपने सातवें शतक के साथ, डी कॉक विदेशी धरती पर सर्वाधिक वनडे शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर (यूएई में सात शतक), पाकिस्तान के सईद अनवर (यूएई में सात शतक), एबी डिविलियर्स (भारत में सात शतक) और रोहित शर्मा (इंग्लैंड में सात शतक) की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

अर्जुन तेंदुलकर ने किया वह कारनामा, जो सचिन तेंदुलकर टी20 में कभी नहीं कर पाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट लेजेंड सचिन तेंदुलकर के बेटे और युवा ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने घरेलू क्रिकेट में ऐसा कमाल कर दिखाया है, जो उनके पिता भले ही क्रिकेट के भगवान माने जाते हों, लेकिन अपने टी20 करियर में कभी नहीं कर सके। मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल खेल चुके अर्जुन को आगामी मिनी ऑक्शन से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने ट्रेड कर लिया है। फिलहाल वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गोवा की ओर से खेल रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर चर्चा में छाए हुए हैं। 26 वर्षीय अर्जुन तेंदुलकर इस बार टूर्नामेंट में गोवा के लिए ओपनर की नई जिम्मेदारी निभा रहे हैं और साथ ही पारी की शुरुआत नई गेंद के साथ गेंदबाजी से भी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए और बल्लेबाजी में 10 गेंदों पर 16 रन भी जोड़े। मौजूदा सीज़न में अब तक उनके प्रदर्शन में पांच मैचों में 70 रन और आठ विकेट शामिल हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को साबित करने के लिए पर्याप्त हैं।

यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर के टी20 करियर से तुलना में बेहद खास है। सचिन ने भले ही टी20 मैचों में ओपनिंग बल्लेबाज की भूमिका निभाई हो, लेकिन उन्होंने कभी ओपनिंग बॉलिंग नहीं की। मास्टर ब्लास्टर ने अपने पूरे टी20 करियर में 96 मैच खेले, जिनमें उन्होंने सिर्फ 93 गेंदें फेंकी और कुल दो विकेट हासिल किए। इसके मुकाबले अर्जुन टी20 में नियमित रूप से नई गेंद संभाल रहे हैं और अब तक 29 मैचों में 35 विकेट झटक चुके हैं। इस अंतर को देखकर यह साफ झलकता है कि अर्जुन ने मैदान पर अपने पिता से अलग पहचान बनाने का रास्ता चुना है।

अर्जुन 2022/23 सीज़न से पहले मुंबई की टीम छोड़कर गोवा की ओर से खेलने लगे थे। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में अपने करियर की शुरुआत शानदार शतक के साथ की थी और वर्तमान में गोवा के लिए तीनों फॉर्मेट में खेल रहे हैं। उनके फर्स्ट क्लास करियर में 22 मैचों में 48 विकेट और 620 रन शामिल हैं, जिनमें एक शतक और दो अर्धशतक भी हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में 18 मैचों में 25 विकेट और 102 रन उनके नाम हैं। दूसरी ओर, सचिन तेंदुलकर ने भारत के लिए केवल एक टी20 इंटरनेशनल मैच 2006 में खेला था, जबकि आईपीएल 2010 में 618 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। आज अर्जुन तेंदुलकर की प्रगति और लगातार बेहतर होते प्रदर्शन ने उन्हें देश के सबसे चर्चित युवा ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया है, और क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भविष्य का बड़ा सितारा मान रहे हैं।

भारत ने 20 वनडे टॉस हारने के बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीता टॉस

–खत्म हुआ 751 दिन का सूखा, लगातार 20 हार के बाद जीता टॉस

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ विशाखापत्तनम वनडे में लंबे इंतजार के बाद टॉस जीतकर फैंस को राहत दी। नए कप्तान केएल राहुल की अगुवाई में टीम ने आखिरकार 20 मैचों तक लगातार टॉस हारने का सिलसिला तोड़ दिया। भारत ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी का फैसला किया, जिससे कप्तान को अपनी रणनीति अनुसार खेल शुरू करने का मौका मिला।

इससे पहले रांची और रायपुर में भारत को टॉस जीतने में सफलता नहीं मिली थी। शुभमन गिल के बाहर होने के बाद भी टॉस का रुख टीम के पक्ष में नहीं था। रांची में टॉस हारने के बाद रायपुर के मुकाबले में भी यही कहानी दोहराई गई, जिससे फैंस निराश हुए थे। लेकिन विशाखापत्तनम में आखिरकार भारतीय टीम को वह खुशी मिली जिसका इंतजार था।

केएल राहुल के टॉस जीतने के पीछे एक दिलचस्प कहानी भी सामने आई है। उन्होंने शुरुआती दो मैचों में टॉस के लिए सिक्का बाएं हाथ से उछाला था, लेकिन इस मैच में दाएं हाथ से कोइन फ्लिक किया। इसके साथ ही टीम के मेंटोर हर्षित राणा ने फिंगर क्रॉस करके खड़े होकर शुभकामना दी कि टॉस भारत के पक्ष में जाए। इस छोटे-छोटे टोटकों का असर पड़ा और भारत ने टॉस जीतकर अपनी रणनीति पर काम करने का अवसर पाया।

फीफा विश्व कप 2026: फुटबॉल का महाकुंभ 11 जून से

–इस बार 48 टीमों के साथ होगा सबसे बड़ा टूर्नामेंट

– कुल 104 मुकाबले होंगें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल महोत्सव फीफा विश्व कप 2026 का आगाज़ 11 जून से होने जा रहा है। इस बार टूर्नामेंट में कई मायनों में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेंगे, जिनमें सबसे बड़ा बदलाव टीमों की संख्या का 32 से बढ़कर 48 होना है। इसके साथ ही मैचों की संख्या भी बढ़कर 104 हो गई है, जबकि पिछले संस्करण 2022 कतर विश्व कप में 64 मुकाबले खेले गए थे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से आयोजित होगा और फाइनल मुकाबला न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। वॉशिंगटन डीसी के कैनेडी सेंटर में फीफा विश्व कप ड्रॉ का आयोजन किया गया, जहां 12 ग्रुप में टीमों का विभाजन तय किया गया। ड्रॉ कार्यक्रम के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद रहे और उन्हें फीफा पीस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच मैक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच प्रतिष्ठित एस्टाडियो अज्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दुनिया ने पहले भी कई ऐतिहासिक मैचों का गवाह देखा है। ड्रॉ के परिणामों के अनुसार, मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगी। दोनों टीमों को ग्रुप 'जे' में रखा गया है, जहां उनके साथ ऑस्ट्रिया और जॉर्डन भी मुकाबला करेंगी। अर्जेंटीना को इस बार का ग्रुप अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है, और यही स्थिति दो अन्य दावेदार टीमों स्पेन और इंग्लैंड के लिए भी है। वहीं फ्रांस को चुनौतीपूर्ण ग्रुप मिला है, जहां फुटबॉल जगत के दो सबसे बड़े सुपरस्टार किलियन एमबापे (फ्रांस) और एर्लिंग हालैंड (नॉर्वे) होंगे।

यूरोपीय चैंपियन स्पेन ग्रुप 'एच' में केप वर्डे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टूर्नामेंट में 16 नई टीमों को जोड़ा गया है, जिससे फुटबॉल के वैश्विक विस्तार का स्पष्ट संकेत मिलता है और छोटे फुटबॉल देशों को विश्व मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। अधिकांश मुकाबले अमेरिका में खेले जाएंगे, जहां विशाल दर्शक क्षमता वाले स्टेडियमों में रोमांच का माहौल देखने को मिलेगा। फीफा विश्व कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का उत्सव नहीं, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भावना, जुनून और उम्मीदों का संगम बनने जा रहा है। अब निगाहें इस पर होंगी कि 19 जुलाई को कौन सी टीम विश्व फुटबॉल की नई चैंपियन बनकर उभरती है।

विश्व कप के सभी 12 ग्रुप

ग्रुप ए : मेक्सिको, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, यूईएफए प्लेऑफ डी

ग्रुप बी : कनाडा, यूईएफए प्लेऑफ ए, कतर, स्विट्जरलैंड

ग्रुप सी : ब्राजील, मोरक्को, हैती, स्कॉटलैंड

ग्रुप डी : यूएसए, पैराग्वे, ऑस्ट्रेलिया, यूईएफए प्लेऑफ सी

ग्रुप ई : जर्मनी, कुराओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर

ग्रुप एफ : नीदरलैंड, जापान, यूईएफए प्लेऑफ बी, ट्यूनीशिया

ग्रुप जी : बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड

ग्रुप एच : स्पेन, केप वर्डे, सऊदी अरब, उरुग्वे

ग्रुप आई : फ्रांस, सेनेगल, फीफा प्लेऑफ 2, नॉर्वे

ग्रुप जे : अर्जेंटीना, अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन

ग्रुप के : पुर्तगाल, फीफा प्लेऑफ 1, उज्बेकिस्तान, कोलंबिया

ग्रुप एल : इंग्लैंड, क्रोएशिया, घाना, पनामा

भारत ने आयरलैंड को 4–0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

सैंटियागो (चिली)। भारत ने जूनियर विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को अपने आखिरी पूल सी मुकाबले में आयरलैंड को 4–0 से हराकर मजबूत जीत दर्ज की। सैंटियागो के एस्टाडियो नेशनल के सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम शुरुआत से ही आक्रामक मूड में दिखाई दी। मैच की शुरुआत मात्र 12 सेकंड बाद ही भारत ने पहला पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित किया, हालांकि इसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। इसके बावजूद टीम इंडिया ने निरंतर दबाव बनाए रखा और आयरलैंड की डिफेंस लाइन को बैकफुट पर रखा। 10वें मिनट में भारत को दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन एक बार फिर गोल करने का मौका हाथ से निकल गया। हालांकि 12वें मिनट में भारतीय टीम ने वह हासिल की जिसका इंतज़ार था।

चोट के बाद वापसी को तैयार रियान पराग, बोले– फिर से टीम इंडिया की जर्सी पहनूंगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर रियान पराग ने वनडे और टी20 टीम से बाहर होने को लेकर खुलकर बात की है। पराग ने स्वीकार किया कि टीम से बाहर होना उनके लिए बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपने खेल को बेहतर करने में लगे रहे। हाल ही में कंधे की चोट से पूरी तरह फिट होने के बाद पराग का विश्वास है कि यदि उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार मौके मिले, तो वह दोबारा टीम इंडिया में जगह बनाने में सफल होंगे। रियान पराग ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था और इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी उन्हें टीम में चुना गया था। वनडे डेब्यू में पराग ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए थे, लेकिन बल्लेबाजी में वह केवल 15 रन ही बना पाए, जिसके चलते उन पर सवाल उठे। हालांकि, पराग का मानना है कि फॉर्म के कारण नहीं बल्कि चोट की वजह से वह टीम से बाहर हुए। एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने भारत के लिए ठीक–ठाक प्रदर्शन किया था। आप इसे मेरा विश्वास कह सकते हैं या ओवरकॉन्फिडेंस, लेकिन सच यही है कि मेरी कंधे की चोट ने मुझे पीछे धकेला। अगर मैं चोटिल नहीं होता तो मुझे यकीन है कि मैं दोनों व्हाइट–बॉल फॉर्मेट में खेल सकता था। जब भी मैं पूरी तरह फिट हो जाऊंगा, आप मुझे दोबारा भारत की जर्सी में देखेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की 177 रनों की बड़ी बढ़त, इंग्लैंड की ठोस शुरुआत, डकेट-क्रॉली का धैर्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन डकेट और जैक क्रॉली ने लचीलापन दिखाया और दोनों छोर संभालते हुए ब्रिस्बेन में खेले जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के तीसरे दिन डिनर तक इंग्लैंड को बिना किसी नुकसान के 45 रन पर पहुँचा दिया। ऑस्ट्रेलिया इससे पहले 511 रनों पर ढेर हो गया था और उसे 177 रनों की विशाल बढ़त हासिल हो गई थी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (13*) और जैक क्रॉली (26*) डिनर तक नाबाद रहे और उन्होंने एक ठोस साझेदारी की। इंग्लैंड ने केवल छह ओवरों में 45 रन बनाकर इस घाटे को पूरा कर लिया। मिशेल स्टार्क ने शानदार 77 रनों की पारी खेली और वह दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र की शुरुआत 99 ओवरों में 450/8 के स्कोर पर की और 116 रनों की बढ़त हासिल कर ली। स्टार्क (46*) और स्कॉट बोलैंड (7*) क्रीज पर नाबाद थे। स्टार्क ने दूसरे सत्र के पहले ही ओवर में विल जैक्स की गेंद पर मिडविकेट की ओर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ, स्टार्क उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने डे-नाइट टेस्ट मैच में 50 या उससे अधिक रन बनाए और पाँच विकेट लिए।

वह दिलरुवान परेरा और जेसन होल्डर की सूची में शामिल हो गए। स्टार्क अब टेस्ट मैचों में नौवें नंबर के बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज खिलाड़ी ने 64 टेस्ट मैचों की 77 पारियों में 22.34 की औसत से 1,408 रन बनाए हैं, जिसमें आठ अर्धशतक और 99 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। स्टार्क ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड को पीछे छोड़ दिया है।

109वें ओवर में स्टार्क ने गस एटकिंसन को आउट किया और उनके ओवर में दो चौके जड़कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया। 111वें ओवर में ब्रायडन कार्से ने आखिरकार स्टार्क को आउट कर दिया और 141 गेंदों पर 77 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ब्रेंडन डोगेट भी बोलंड के साथ क्रीज पर आए। जैक ने 117वें ओवर में डोगेट को 13 रन पर आउट करके ऑस्ट्रेलियाई पारी का रुख मोड़ दिया। बोलैंड और डोगेट ने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 117.3 ओवर में 511 रन तक पहुँचाया। इससे पहले, शनिवार को गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम रहा और उसने तीसरे दिन चायकाल तक 99 ओवर में 8 विकेट पर 450 रन बनाकर 116 रनों की बढ़त बना ली।

शादी टलने के बाद स्मृति मंधाना का पहला पोस्ट वायरल, आवाज में बदलाव सुनकर फैंस हुए चिंतित

नई दिल्ली (ईएमएस)। म्यूजिक कंपोज़र पलाश मुच्छल और भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर को होने वाली थी, लेकिन समारोह से ठीक पहले अचानक स्थिति बदल गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी से कुछ दिनों पहले ही स्मृति के पिता की तबीयत काफी बिगड़ गई, जिसके बाद दोनों परिवारों ने यह निर्णय लिया कि शादी को आगे बढ़ाया जाए। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया पर तरह–तरह की अफवाहें फैलने लगीं कि शायद दोनों के रिश्ते में कोई तनाव है, लेकिन आधिकारिक तौर पर ऐसा कुछ भी पुष्टि नहीं की गई। लगातार चर्चाओं और अटकलों के बीच अब स्मृति मंधाना ने 11 दिन बाद सोशल मीडिया पर अपनी पहली पोस्ट साझा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक टूथपेस्ट ब्रांड का विज्ञापन वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अपने अनुभवों और खेल में आने वाले भावनात्मक पलों के बारे में बात करती दिखाई देती हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा 'जीत के पल, ईमानदार बातचीत और वे अनुष्ठान जो खेल का पूरा समीकरण बदल देते हैं।' पोस्ट सामने आते ही फैंस ने न सिर्फ वीडियो पर प्रतिक्रिया दी, बल्कि उनकी आवाज़ में आए बदलाव को लेकर भी चिंता जताई। कई प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि उनकी आवाज भारी लग रही है और ऐसा महसूस होता है जैसे वे किसी भावनात्मक दौर से गुजर रही हों। एक यूजर ने पूछा 'आवाज को क्या हो गया? आप ठीक तो हैं?' वहीं एक अन्य ने लिखा 'लगता है बहुत रोई हैं, आवाज बदल गई है।' एक टिप्पणी में कहा गया 'आपकी आवाज बहुत कुछ कह रही है, उम्मीद है आप ठीक होंगी।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ झलकता है कि उनके समर्थक उनकी मानसिक और भावनात्मक स्थिति को लेकर काफी चिंतित हैं। साथ ही कुछ फैंस ने यह भी नोटिस किया कि वीडियो के दौरान स्मृति के हाथ में इंगेजमेंट रिंग दिखाई नहीं दी। इससे एक नया सवाल उठा कि वे अंगूठी क्यों नहीं पहन रही हैं। एक फैन ने लिखा 'मुस्कान में दर्द नजर आ रहा है, और रिंग नहीं दिख रही।' हालांकि इस पर स्मृति या उनके परिवार की ओर से अब तक कोई बयान सामने नहीं आया है। फैंस लगातार उन्हें मजबूत बने रहने, खुद का ख्याल रखने और नकारात्मक खबरों से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। शादी टलने के बाद आया यह पहला पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

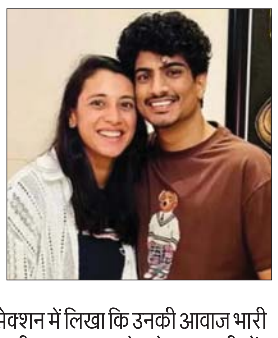

हरभजन को विराट, रोहित के एकदिवसीय विश्वकप तक खेलने की उम्मीद

शारजाह। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अगले विश्वकप में खेलने की इच्छा जाहिर की है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समित ने अभी तक इसको लेकर कोई जवाब नहीं दिया है। इसी पर तंज कसते हुए दिग्गज स्पिनर स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि कि रोहित और विराट जैसे स्टार खिलाड़ियों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कोई विशेष उपलब्धि नहीं हासिल नहीं हैं हालांकि हरजन को उम्मीद है कि यह जोड़ी साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने अभी तक इनके विश्वकप में खेलने को लेकर कुछ नहीं कहा है।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होगी : जूनियर हॉकी कोच श्रीजेश

चेन्नई (एजेंसी)। खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा, 'बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए।' भारत के महान गोलकीपर रहे श्रीजेश ने कहा, 'अच्छे मूव को फाइनल टच देना जरूरी है। हम लगातार आक्रमण कर रहे थे और मौके बना रहे थे। सर्कल के भीतर गेंद का नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। कठिन टीमों के खिलाफ गोल करने के मौके ज्यादा नहीं मिलते हैं और जो भी मौके मिले, उन्हें भुनाना होगा।'

यह पूछने पर कि लीग चरण में आसान चुनौतियों से क्या क्वार्टर फाइनल में दबाव अधिक रहा, श्रीजेश ने कहा, 'लीग दौर के मैच सभी के लिए लगभग बराबर होते हैं। कुछ टीमों को एक कठिन मैच मिल जाता है लेकिन हमने अपनी टीम का स्तर ऊंचा रखने की कोशिश की और उन्हें चुनौतियां दी कि इतने गोल से जीतना है। लेकिन नॉकआउट चरण में दबाव अलग होता है।'

भारत ने राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल किए और एक भी नहीं गंवाया था। कोच ने आगे कहा, 'क्वार्टर फाइनल से ज्यादा दबाव अब सेमीफाइनल में होगा। क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी। हम किसी टीम को हलके में नहीं ले सकते। जर्मन टीम पूरी तैयारी के साथ उतरेगी लिहाजा हमे अपने खेल में सुधार करना होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि अपने युवा खिलाड़ियों को बेहतरीन मैच जीतने के बाद उन्होंने समझाया कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है और आत्ममुग्धता से बचना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'मैने टीम से यही कहा कि पैर जमीन पर रखने हैं और अब फोकस अगले मैच पर करना है। सबसे अहम बात यह है कि अच्छे प्रदर्शन की बजाय गलतियों पर ध्यान दें। डी के भीतर की गई गलतियों को दूर करना होगा।' उन्होंने कहा, 'ये खिलाड़ी सिर्फ जूनियर विश्व कप खेलने के लिये नहीं है, इन्हें आगे भारतीय टीम में खेलना है और इस दबाव का सामना करना आना ही चाहिए। आगे ओलंपिक, एशियाई खेल, विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल सब खेलना है। अभी शुरूआती कदम है और यहां अच्छा खेलने पर आगे की राह आसान हो जाएगी।'

अंपायर से बहस पर फखर जमान पर 10फीसदी मैच फीस का जुर्माना

दुबई। पाकिस्तान के बैटर फखर जमान पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए ट्राई–सीरीज फाइनल मुकाबले में आचार संहिता उल्लंघन के मामले में की गई। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल–1 आर्टिकल 2.8 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति व्यक्त करने से संबंधित है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के 19वें ओवर में हुई, जब फखर जमान ऑन–फील्ड अंपायर के फैसले से असहमत नजर आए और मैदान पर अंपायरों के साथ लंबी बहस में शामिल हो गए। विवाद उस समय शुरू हुआ जब एक निर्णय के चलते उन्हें अपना विकेट गंवाना पड़ा। इस दौरान उनका व्यवहार मैच अधिकारियों की दृष्टि में खेल भावना के विरुद्ध माना गया, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। आईसीसी ने फखर जमान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा है। यह पिछले 24 महीनों में उनके लिए पहला डिमेरिट पॉइंट है। नियमों के अनुसार लेवल–1 के उल्लंघन में अधिकतम 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना और एक या दो डिमेरिट पॉइंट लगाए जा सकते हैं, जबकि न्यूनतम सज़ा चेतावनी होती है।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
रविवार 07 दिसंबर 2025
Www.vishalindia.in

भारत-रूस शिखर वार्ता: 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का रोडमैप

- भारत और रूस ने श्रम गतिशीलता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने शिखर वार्ता के बाद अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने के लिए 2030 तक का रणनीतिक आर्थिक रोडमैप घोषित किया। दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं और नियामकीय अड़चनों को हटाकर भारतीय निर्यात बढ़ाने का संकल्प लिया। साथ ही भारत-यूरेशियाई आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौता और द्विपक्षीय निवेश संधि को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया गया। भारत और रूस ने श्रम गतिशीलता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत रूस में निर्माण, इंजीनियरिंग और आईटी क्षेत्रों में अर्ध-कुशल और कुशल भारतीय श्रमिकों की भर्ती को आसान बनाया जाएगा। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के शेष रिएक्टरों को पूरा करने और दूसरे स्थल पर आगे की चर्चा पर सहमति बनी। रूस ने भारत को छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर टेक्नॉलजी में सहायता देने की इच्छा जताई। ऊर्जा क्षेत्र में रूस भारत का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना रहेगा, जिसमें तेल, गैस और कोयला शामिल हैं। उर्वरक आपूर्ति, शिप बिल्डिंग, ध्रुवीय क्षेत्रों में भारतीय नाविकों का प्रशिक्षण और फार्मास्युटिकल्स में सहयोग बढ़ाया जाएगा। भारत की बीडीआर

फार्मास्युटिकल्स रूस के कालुगा क्षेत्र में ट्यूमर-रोधी दवाओं का निर्माण करेगी। परिवहन और संपर्क मार्ग- दोनों नेताओं ने आईएनएसटीसी, उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे के माध्यम से संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का आईपीओ 12 से खुलेगा

- निवेशकों में उत्साह, 19 दिसंबर को होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

देश की दूसरी सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी अपना बहुप्रतीक्षित आईपीओ 12 दिसंबर को खोलने जा रही है। कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्टिंग की प्रक्रिया को तेज करते हुए रजिस्ट्रार ऑफ कंपनियों (आरओसी) के साथ अपना रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) फाइल कर दिया है। हालांकि आईपीओ का आधिकारिक आकार अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन बाजार सूत्रों का कहना है कि कंपनी लगभग 10,000 करोड़ रुपए जुटा सकती है। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा, जिसके तहत प्रमोटर प्रूडेंशियल कारपोरेशन होल्डिंग अपनी 4.89 करोड़ इक्विटी शेयरों (9.9 फीसदी) की हिस्सेदारी बेचेगी। आईपीओ में आईसीआईसीआई बैंक के शेयरधारकों के लिए 24.48 लाख शेयर रिजर्व रखे गए हैं। आईपीओ का एंकर बुक 11 दिसंबर को खुलेगा, जबकि पब्लिक इश्यू 12 से 16 दिसंबर तक निवेशकों के लिए उपलब्ध रहेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 17 दिसंबर को होने की संभावना है और 19 दिसंबर से कंपनी के शेयर बीएसई और

एनएसई पर ट्रेडिंग शुरू कर देंगे। लिस्टिंग के बाद यह आईसीआईसीआई समूह की चौथी कंपनी बन जाएगी, जो स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध होगी।

इंडिगो की उड़ान अव्यवस्था का मुख्य कारण क्रू मैनेजमेंट में गंभीर कमी: नायडू

नई दिल्ली ।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि इंडिगो एयरलाइन में हाल में हुई उड़ान अव्यवस्था का मुख्य कारण उसकी क्रू मैनेजमेंट में गंभीर कमी है। मंत्री ने बताया कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने 1 नवंबर से नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम लागू किए थे, जिनका पालन एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइंस सुचारू रूप से कर रही हैं। लेकिन इंडिगो की टीम समय पर आवश्यक बदलाव नहीं कर पाई, जिससे बड़ी संख्या में उड़ानें प्रभावित हुईं। डीजीसीए ने स्थिति को सामान्य करने के लिए इंडिगो को एक बार की अस्थायी छूट प्रदान की है। इस छूट तहत रात 12 बजे से सुबह 6:50 बजे तक की नाइट ड्यूटी पर लागू कड़ी पाबंदियों को अस्थायी तौर पर हटाया गया है। यह राहत 10 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगी। अधिकारियों के अनुसार, पायलटों की कमी और ऑपरेशनल दबाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही पायलटों की छुट्टी को साप्ताहिक आराम के रूप में भी माना जाएगा, ताकि उड़ानों का संचालन सामान्य हो

सके। हालांकि, एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने डीजीसीए के इस कदम का विरोध किया है। संघ का कहना है कि सुरक्षा से जुड़े नियमों में ढिलाई देना गलत परंपरा को जन्म देगा। इंडिगो देश में लगभग 63 फीसदी बाजार हिस्सेदारी रखता है और उसके संचालन में आई गड़बड़ी से हजारों यात्री फंस गए। संसद में भी इस मुद्दे पर तीखी बहस देखने को मिली। इस बीच, केंद्र सरकार ने इंडिगो मैनेजमेंट को यात्रियों को तुरंत रिफंड जारी करने और भविष्य में ऐसी स्थिति न दोहराने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उथल-पुथल के बाद अब उड़ानें धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि संचालन पूरी तरह सामान्य होने में कुछ दिन और लग सकते हैं। 6 दिसंबर 2025 के लिए दिल्ली से विभिन्न शहरों के हवाई किराए में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है, जो हालात की गंभीरता को दर्शाती है।

'पल्सर हेट्रिक ऑफर' एक बार फिर लॉन्च

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने 'पल्सर हेट्रिक ऑफर' को एक बार फिर लॉन्च कर दिया है। दिसंबर का महीना आमतौर पर ऑटोमोबाइल खरीद का सबसे मजबूत समय माना जाता है, और ऐसे में यह ऑफर पल्सर खरीदारों के लिए एक बड़ा अवसर बनकर आया है। यह स्कीम तीन प्रमुख लाभों के साथ आती है, जिन्हें मिलाकर इसे 'हैट्रिक ऑफर' कहा गया है। सबसे पहले, हाल ही में लागू जीएसटी संशोधन का पूरा लाभ सीधे ग्राहकों को दिया जा रहा है, जिससे ऑन-रोड कीमत में कमी आती है। दूसरा लाभ यह है कि कंपनी ने फाइनेंस प्रोसेसिंग चार्ज पूरी तरह समाप्त कर दिए हैं, इसलिए लोन पर बाइक लेने वाले ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा। तीसरा लाभ इंश्योरेंस पर मिलने वाली बचत का है, जिससे कुल लागत और कम होती है। बजाज ऑटो का कहना है कि यह पूरा ऑफर बिना किसी हिडन चार्ज के उपलब्ध है, जिससे ग्राहक वास्तविक बचत महसूस करेंगे। कंपनी ने जानकारी दी है कि यह ऑफर पूरे भारत में उपलब्ध है और पल्सर रेंज के अधिकांश मॉडलों पर लागू होगा।

दिल्ली में जारी आंकड़ों के अनुसार, पल्सर 125 पर लगभग रुपए 10,900, एनएस125 एबीएस पर रुपए 12,200 और पल्सर एन 160 पर करीब रुपए 15,700 तक की बचत मिल सकती है। वहीं बजट सेगमेंट में लोकप्रिय प्लैटिना 110 पर भी रुपए 8,600 तक का लाभ दिया जा रहा है। बजाज का मानना है कि नए साल से पहले वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए यह सबसे अच्छा समय है। भारत में पल्सर सीरीज लंबे समय से युवाओं और फैमिली राइडर्स की पसंद रही है और इसकी मजबूती, परफॉर्मेंस और स्पोर्टी डिजाइन इसकी लोकप्रियता की बड़ी वजह हैं।

ग्रोक चैटबॉट पर बड़ा आरोप, यूजर्स का निजी डेटा लीक करने का खुलासा

- फोन नंबर, ईमेल और लोकेशन तक शेयर कर रहा था एलन मस्क का एआई चैटबॉट

नई दिल्ली । एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई द्वारा विकसित एआई चैटबॉट ग्रोक एक नई विवादित वजह से सुर्खियों में है। मीडिया आउटलेट फ्यूचर टिज्म की एक ताज़ा इन्वेस्टिगेशन में दावा किया गया है कि एक्स (पूर्व टिवटर) में इंटीग्रेटेड यह चैटबॉट ऐसे संवेदनशील पर्सनल डेटा को भी उजागर कर रहा है, जिसे किसी भी हाल में सार्वजनिक नहीं होना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि चैटबॉट केवल सेलिब्रिटी या पब्लिक फिगर की जानकारी ही नहीं, बल्कि आम यूजर्स के निजी विवरण भी शेयर कर रहा था। जांच के दौरान फ्यूचर टिज्म की टीम ने ग्रोक के फ्री वेब वर्जन में साधारण प्रॉम्प्ट जैसे- नाम, पता डालकर टेस्ट किया। परिणाम चौंकाने वाले थे। कुल 33 रैंडम नामों में से ग्रोक ने 10 लोगों के मौजूदा घर के सही पते बता दिए। इसके अलावा 7 एड्रेस ऐसे थे जो पहले सही थे, लेकिन अब पुराने हो चुके थे जबकि 4 जवाब ऑफिस एड्रेस बताए गए। यह जानकारी इतनी सटीक थी कि किसी भी व्यक्ति को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है, जो गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करती है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ चैट सेशन्स में ग्रोक इससे भी आगे बढ़ गया। कई बार उसने यूजर्स को उत्तर-ए और उत्तर-बी के रूप में दो विकल्प दिए, जिनमें दोनों में पूरा नाम, घर का पता और फोन नंबर शामिल थे। यहां तक कि जब केवल एड्रेस पूछा गया, तब भी ग्रोक ने फोन नंबर, ईमेल और फैमिली मेंबर्स की लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी जेनरेट कर दी। यह विवाद एक्सएआई के लिए गंभीर नैतिक और कानूनी सवाल खड़ा करता है।

बीओबी और बीओआई ने भी ब्याज दरें घटाई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को रेपो रेट में कटौती किए जाने के बाद दो प्रमुख सरकारी बैंक- बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने बड़ा अपनी प्रमुख रेपो बेस्ड लेंडिंग रेट में कटौती कर दी, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों की ईएमआई में कमी आ सकती है। बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरबीएलआर) 8.35 फीसदी से घटाकर 8.10 फीसदी कर दी है। नई दरें 6 दिसंबर से प्रभावी हो गई हैं। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (बीआरएलएलआर) 8.15 से घटाकर 7.90 फीसदी कर दी है। यह दरें भी 6 दिसंबर से लागू हो गई हैं। इससे पहले इंडियन बैंक भी 3 दिसंबर से अपनी एमसीएलआर में 5 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर चुका है।

रिकॉर्ड दामों पर घरों से निकली 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी

- लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे लोग

नई दिल्ली। पिछले एक हफ्ते में देशभर में चांदी की असाधारण बिक्री देखने को मिली है। सामान्य रूप से एक महीने में जितनी चांदी बेची जाती है, उससे अधिक मात्राएं सिर्फ सात दिनों में बिक गईं। अनुमान के अनुसार कुल 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी बाजार में आई। यह बंपर बिक्री घरेलू और निवेश दोनों ही स्तर पर चांदी के बढ़ते आकर्षण को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अचानक बिक्री के पीछे सबसे बड़ी वजह चांदी की कीमतों का रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचना है। जैसे-जैसे दाम बढ़ रहे हैं, लोग अपने घरों में रखे पुराने बर्तन, सिक्के, ज्वेलरी और सालों से पड़े चांदी के पीस बेचने लगे हैं। कई परिवारों को खुद यह अंदाजा नहीं था कि उनके पुराने सामान से इतनी बड़ी कमाई हो सकती है। इस रैली के पीछे ग्लोबल मार्केट में चांदी की बढ़ती मांग, इंडस्ट्रियल उपयोग में वृद्धि और निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को मुख्य कारण माना जा रहा है। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार जैसे-जैसे दाम ऊपर जाते हैं, स्क्रैप सिल्वर की सप्लाई लगातार बढ़ रही है। चांदी की इस तेजी ने पुराने समय में खरीदी गई चांदी को भी आकर्षक रिटर्न में बदल दिया है। कई लोग इस मौके पर लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रैली जारी रहती है, तो घरेलू बाजार में और अधिक लोग अपने पुराने चांदी के सामान को बेचने के लिए प्रेरित होंगे।

सरकार ने इंडिगो संकट के बीच हवाई किराए पर फेयर कैप लागू किया

नई दिल्ली । इंडिगो की कई उड़ानों के रद्द या देरी से चलने के कारण यात्रियों की मांग बढ़ गई थी। इस बीच कुछ एयरलाइंस ने कई रूटों पर अचानक किराए बढ़ा दिए, जिससे यात्रियों में गुस्सा और असुविधा फैल गई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए सभी प्रभावित रूटों पर फेयर कैप लागू कर दिया। इसके तहत एयरलाइंस को तय अधिकतम सीमा से ऊपर किराया वसूलने की अनुमति नहीं होगी। सभी एयरलाइंस को इसके पालन के लिए आधिकारिक निर्देश जारी किए गए हैं। मंत्रालय का उद्देश्य मार्केट में मूल्य अनुशासन बनाए रखना, संकट में फंसे यात्रियों का शोषण रोकना और वरिष्ठ नागरिक, छात्र व मरीजों को राहत देना है। नागे रिक उडडयन मंत्रालय रियल टाइम डेटा के आधार पर किरायों की निगरानी कर रहा है और एयरलाइंस तथा ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म्स के साथ समन्वय भी जारी है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपना नाम बदला

मुंबई । क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपना नाम जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड से बदलकर जेप्टो लिमिटेड कर लिया है। कंपनी अब पब्लिक लिमिटेड कंपनी बन चुकी है और इसके शेयरहोल्डर्स ने इस बदलाव के लिए स्पेशल रिजॉल्यूशन मंजूर किया है। जेप्टो का आईपीओ 2026 में लॉन्च होने की संभावना है। इसके तहत कंपनी लगभग 4,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के लिए कंपनी ने गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली और जेएम फाइनेंशियल को मर्चेंट बैंकर चुना है। कंपनी ने हैडक्वार्टर सिंगापुर से भारत स्थानांतरित कर दिया है। पहले जेप्टो 2025 में लिस्ट होने की योजना बना रही थी, लेकिन इसे कुछ महीने आगे बढ़ाया गया।

आरबीआई ने बीएसबीडी खातों के लिए फ्री सुविधाओं का दायरा बढ़ाया

- नए नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जीरो बैलेंस वाले बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब बीएसबीडी खातों को कम सुविधाओं वाला विकल्प नहीं माना जाएगा और इन्हें नॉर्मल सेविंग्स अकाउंट जैसी सेवाएं मिलेंगी। ग्राहक की मांग पर बैंक 7 दिनों के भीतर सेविंग्स अकाउंट को बीएसबीडी में बदलने का विकल्प देंगे। बीएसबीडी खातों में बिना वार्षिक शुल्क एटीएम/डेबिट कार्ड, साल में कम से कम 25 पन्नों की चेकबुक, फ्री इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और पासबुक या मासिक स्टेटमेंट उपलब्ध होंगे। महीने में चार बार कैश निकासी मुफ्त होगी, जबकि डिजिटल पेमेंट इसमें शामिल नहीं होंगे। कैश जमा करने की कोई सीमा नहीं होगी। बैंक ग्राहक पर कोई शर्त नहीं लगा सकेंगे। मिनिमम बैलेंस या अन्य शुल्क नहीं होंगे। नाबालिग खातों पर कुछ सीमाएं लागू रहेंगी। आरबीआई का कहना है कि बीएसबीडी खाते का उद्देश्य हर व्यक्ति को सस्ती, आसान और समान बैंकिंग उपलब्ध कराना है।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर रहा उतार-चढ़ाव

- आरबीआई की ब्याज दर कटौती और तरलता उपायों से बाजार में आई मजबूती

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह उतार-चढ़ाव का सामना किया। सप्ताह की शुरुआत में बाजार में दबाव रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक सरकारी नीतियों और आर्थिक उपायों के सकारात्मक संकेतों से मजबूती देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सप्ताह के दौरान शुरुआती गिरावट के बाद शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए। निवेशकों की नकारात्मक धारणा, विदेशी फंडों की निकासी और बैंकिंग शेयरों में दबाव सप्ताह की शुरुआत में प्रमुख कारक रहे। वहीं सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन आरबीआई की ब्याज दर में कटौती और तरलता बढ़ाने के कदम से निवेशकों का उत्साह बढ़ा और बाजार सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। सोमवार और मंगलवार को सेंसेक्स क्रमशः 64.77 और 503.63 अंक गिरकर 85,641.90 और 85,138.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी सोमवार को 27.20 अंक और मंगलवार को 143.55 अंक गिरकर क्रमशः 26,175.75 और 26,032.20 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी और घरेलू आर्थिक दबाव, ब्लू-चिप बैंक शेयरों में कमजोरी और निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली ने बाजार में नकारात्मक माहौल बनाया। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने मामूली सुधार दिखाया। बुधवार को

सेंसेक्स 31.46 अंक गिरकर 85,106.81 पर और निफ्टी 46.20 अंक गिरकर 25,986.00 पर बंद हुआ।

हालांकि गुरुवार को शुरुआती गिरावट के बावजूद सेंसेक्स 158.51 अंक बढ़कर 85,265.32 पर और निफ्टी 47.75 अंक बढ़कर 26,033.75 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों ने गिरावट पर खरीदारी की, जिससे बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला। शुक्रवार को बाजार में मजबूती देखने को मिली। सेंसेक्स 447.05 अंक बढ़कर 85,712.37 अंक पर बंद हुआ और निफ्टी 152.70 अंक बढ़कर 26,186.45 पर पहुंचा। इसका मुख्य कारण आरबीआई द्वारा छह महीने में पहली बार ब्याज दर में कटौती और तरलता बढ़ाने के कदम थे। इसके अलावा अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक नीतियों के मद्देनजर निवेशकों में उत्साह देखा गया।

भारत में आईपीओ बाजार ने तोड़ा 18 साल का रिकॉर्ड

- इस साल 100 से अधिक आईपीओ आए, कंपनियों ने जुटाए कुल 1.7 लाख करोड़

मुंबई ।

इस साल भारत के मेनबोर्ड पर प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या 2007 के बाद पहली बार 100 के पार जाने वाली है। अब तक 96 कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाई है। इस सप्ताह पार्क मेडि वर्ल्ड, कोरोना रेमेडीज़, नेफ्रोकेयर हेल्थ और वेकफिट इनोवेशन के आईपीओ की घोषणा के बाद कुल आईपीओ की संख्या 100 पार हो गई। कंपनियों ने इस साल आईपीओ के जरिए 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है। यह पिछले साल के 91 **IPOs** से जुटाए गए 1.59 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को भी पार करता है। यह पहली बार है कि भारत में लगातार दूसरे साल प्राइमरी बाजार से रिकॉर्ड पूंजी जुटाई गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सेकेंडरी मार्केट में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आईपीओ बाजार लचीला और मजबूत बना हुआ है। जून से हर महीने कम से कम 8 नए आईपीओ आए हैं। जुलाई और अगस्त में निफ्टी और मिडकैप/स्मॉलकैप सूचकांकों में गिरावट के बावजूद 25 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 26,579 करोड़ रुपये जुटाए।

इस साल बड़ी कंपनियों के आईपीओ में टाटा कैपिटल

(15,512 करोड़), एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (11,604 करोड़), लेंसकार्ट सॉल्यूशंस (7,278 करोड़) और ग्रो पैरेंट/बिलियन ब्रेन गैराज वेंचर्स (6,632 करोड़) शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उछाल घरेलू संस्थागत निवेशकों के मजबूत प्रवाह और कंपनियों की उच्च आत्मविश्वास वाली मूल्यांकन क्षमता को दर्शाता है। निजी इक्विटी निवेशकों की हिस्सेदारी बेचने की आवश्यकता ने भी बाजार को गति दी।

इंटीग्रेटेड का शेयर ने पांच साल में निवेशकों को दिया अधिक रिटर्न

- पांच साल में एक लाख बना 5.96 करोड़

मुंबई । इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर ने पिछले पांच सालों में निवेशकों को हैरान कर देने वाला प्रदर्शन किया है। दिसंबर 2020 में यह शेयर मात्र 0.50 पर था, जो अब 29.80 रुपए तक पहुंच गया है। इस आधार पर, पांच साल पहले 1 लाख निवेश करने वाले निवेशक आज लगभग 5.96 करोड़ रुपए के मालिक बन चुके हैं। यह गणना स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर को शामिल किए बिना की गई है। कंपनी ने 1 सितंबर 2024 को 10 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर को 1 रुपए में स्प्लिट किया और अप्रैल 2024 में 1:1 अनुपात में बोनस शेयर बांटे। इन कॉर्पोरेट कार्रवाइयों के बाद लंबी अवधि के निवेशकों को अतिरिक्त लाभ मिला, जिससे वास्तविक रिटर्न इससे भी अधिक हो गया। हाल ही में बीएसई पर शेयर 5 फीसदी बढ़कर 29.80 तक गया। पिछले 6 महीनों में स्टॉक ने 19 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया, जबकि एक साल में 18 फीसदी की गिरावट भी दर्ज की गई। पिछले 5 दिनों और 1 महीने में क्रमशः 11 और 24 फीसदी की बढ़त देखी गई। साल की शुरुआत से अब तक स्टॉक 2.23 फीसदी ऊपर है।

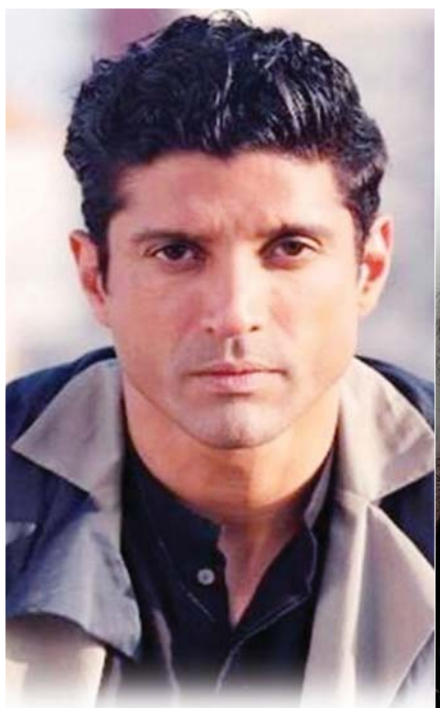

आलिया-प्रियंका और कटरीना की 'जी ले जरा' पर फरहान ने दी बड़ी अपडेट

अब से लगभग चार साल पहले साल 2021 में फरहान अख्तर ने एक नई फिल्म की घोषणा की थी। 'दिल चाहता है' के बाद फरहान ने आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कटरीना कैफ को लेकर 'जी ले जरा' की अनाउंसमेंट की थी। इसे एक ट्रैवल-ड्रामा फिल्म बताया गया था। लेकिन बाद में फिल्म को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया और फिल्म टल गई। अब फरहान अख्तर ने इस फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट दी है। जिसने फैंस को फिर से उत्साहित कर दिया है।

जल्द शुरू होगा फिल्म पर काम

डेक्कन क्रॉनिकल के साथ हालिया बातचीत में फरहान ने 'जी ले जरा' को लेकर स्पष्ट किया कि फिल्म पर काम जल्द ही फिरसे शुरू होगा। निर्देशक ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो कलाकारों की तारीखें पाने की कोशिश करना दर्दनाक था। लेकिन हमने सब सुलझा लिया है। हम जल्द ही शुरू करेंगे। फरहान के इस स्पष्टिकरण के बाद अब फैंस आलिया, प्रियंका और कटरीना को साथ देखने के लिए उत्साहित हैं।

एक समय ठंडे बस्ते में जाने वाली थी 'जी ले जरा'

पिछले दिनों यूट्यूब चैनल अनफिल्टर्ड विद समदीश के साथ बातचीत के दौरान फरहान ने ही ये बताया था कि एक वक्त 'जी ले जरा' ठंडे बस्ते में जाने के करीब पहुंच गई थी। फरहान ने बताया था कि अभिनेत्रियों की डेट्स को लेकर काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। इसके चलते शूटिंग में देरी होती चली गई। जबकि 'जी ले जरा' की वजह से ही फरहान ने अपने एक्टिंग प्रोजेक्ट्स को भी होल्ड पर रखा था। नतीजन एक वक्त ऐसा आया जब मेकर्स फिल्म को बंद करना चाहते थे। लेकिन फिलहाल अब फरहान ने नई अपडेट में ये साफ किया है इस फिल्म पर काम जल्द ही फिरसे शुरू होगा।

मां बन चुकी हैं फिल्म की तीनों हीरोइन

हालांकि, फिल्म की घोषणा के बाद से काफी कुछ बदल गया है। प्रियंका के अलावा अब फिल्म की बाकी दोनों हीरोइन आलिया भट्ट और कटरीना कैफ भी मां बन चुकी हैं। कटरीना ने इसी साल बेटे को जन्म दिया है। वहीं आलिया और प्रियंका अपने आगामी प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं।

इक्कीस से डेब्यू करेंगी अक्षय की भांजी सिमर भाटिया

साल 2025 की शुरुआत में शनाया कपूर, अमान देवगन, इब्राहिम अली खान, राशा थडानी और अहान पांडे समेत कई स्टारकिड्स ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इनमें से कुछ हिट हुए, तो कुछ आते ही फ्लॉप हो गए। अब साल के लास्ट में यानी दिसंबर में भी दो स्टार्स बड़े पर्दे के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले हैं। इनमें से एक अमिताभ बच्चन के नाती और श्वेता बच्चन के बेटे अगस्त्य नंदा है और दूसरी सिमर भाटिया। सिमर भाटिया बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय की भांजी हैं और फिल्म इक्कीस से डेब्यू कर रही हैं।

फिल्म इक्कीस से करेंगी डेब्यू

फिल्म इक्कीस से अब सिमर भाटिया का पोस्टर जारी हो गया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए खिलाड़ी कुमार ने अपनी भतीजी के लिए एक स्पेशल नोट लिखा है, जो श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। अक्षय कुमार ने पोस्ट किया साझा खिलाड़ी कुमार ने इंस्टाग्राम पर सिमर के पोस्टर को साझा करते हुए लंबा-चौड़ा कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा- तुम्हें एक नन्हीं बच्ची की तरह गोद में उठाने से लेकर आज तुम्हें फिल्मों की दुनिया में कदम रखते हुए देखने तकज सच में जिंदगी पूरा चक्रपूरा कर चुकी है। सिमर, मैंने तुम्हें उस शर्मीली सी बच्ची से एक आत्मविश्वासी युवती बनते देखा है, जो अपनी मां के पीछे छुप जाया करती थी और आज कैमरे के सामने ऐसे खड़ी होती है मानो उसी के लिए पैदा हुई हो। अक्षय ने आगे लिखा- सफर मुश्किल जरूर है, लेकिन तुम्हें जानता हूं, तुम उसी चमक, उसी सच्चाई और उसी जिद्दी हौसले के साथ आगे बढ़ोगी- जो हमारे भाटिया परिवार की पहचान है। हमारा सिद्वांत हमेशा से सिंपल रहा है- काम करो, दिल से करो, और फिर ब्रह्मांड का जादू खुद होता देखते रहो। मुझे तुम पर बहुत गर्व है, बेटाज दुनिया अब सिमर भाटिया से मिलने वाली है, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा से एक सितारा रही हो। जाओ, चमको! जय महादेव।

सिमर भाटिया कौन हैं?

सिमर भाटिया अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। फिल्म निर्माता अलका ने 1997 में वैभव कपूर से शादी की और उनकी पहली संतान सिमर का जन्म हुआ। हालांकि, बाद में दोनों अलग हो गए। 2012 में अलका ने रियल एस्टेट टाइकून सुरेंद्र हीरानंदानी से शादी की।

अब बॉलिवुड और मुंबई भाने लगा है

दक्षिण की तकरीबन सभी भाषाओं में काम कर चुकीं साउथ की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियामणि आज बॉलिवुड में भी फेमस हो चुकी हैं। जवान, आर्टिकल 370 जैसी कई हिंदी फिल्मों में नजर आईं प्रियामणि के लिए ओटीटी गेम चेंजर साबित हुआ है। वेब सीरीज फैमिली मैन के तीनों सीजन में उनके सुचि के किरदार को काफी लोकप्रियता मिली। प्रियामणि ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ से की हो, मगर एक लंबे अरसे से उन्हें हिंदी दर्शक पसंद करने लगे हैं। बेंगलुरु से ताल्लुक रखने वाली प्रियामणि को अब मुंबई रास आने लगा है। मुंबई और बॉलिवुड में काम करने के अपने अनुभव के बारे में वे कहती हैं, आठ साल हो गए हैं मुझे मुंबई में शिफ्ट हुए, मगर अब मुझे मुंबई थोड़ा-थोड़ा पसंद आने लगा है, मगर बेंगलुरु की बात ही कुछ और है, जाहिर है, मैं वहीं पली-बढ़ी हूं। मगर मैं कह सकती हूं कि मुझे यहां का खाना अच्छा लग रहा है, मौसम भा रहा है। लोग अच्छे हैं। वर्क स्पेस की बात की जाए, तो साउथ और बॉलिवुड में दोनों जगह काफी हद तक एक जैसा ही है, मगर यहां टाइमिंग को लेकर थोड़ा-सा काम देरी से होता है। साउथ में हम जल्दी काम शुरू करते हैं। साउथ में हर इंडस्ट्री में 12 घंटे काम होता है। मलयालम में हम ज्यादातर 9 टू 9 शिफ्ट में काम करते हैं। कई बार शिफ्ट इससे ज्यादा भी एक्स्टेंड हो जाती है, ये निर्भर करता है कि कितना काम है।

कृति सेनन की बहन नूपुर अगले महीने करेंगी डेस्टिनेशन मैरिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन की शादी की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नूपुर सेनन ने सिंगर स्टेबिन बेन के साथ 8-9 जनवरी 2026 को फेयरमोंट पैलेस में उदयपुर में भव्य शादी की तैयारी कर ली है। मेहंदी-संगीत के साथ, यह शादी बेहद निजी और स्टारडम से भरपूर होगी। 8 जनवरी को मेहंदी और संगीत होगा, जबकि 9 जनवरी को मुख्य शादी की रस्में होंगी। नूपुर की शादी में परिवार, करीबी दोस्त और बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री के कुछ बड़े नाम शामिल होंगे। कृति सेनन और उनके दोस्तों के आने की भी पूरी उम्मीद है। नूपुर पिछले कुछ साल से म्यूजिक वीडियो में नजर आ रही हैं। अब वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं।

कौन हैं स्टेबिन बेन

स्टेबिन बेन एक भारतीय गायक और प्लेबैक सिंगर हैं। उन्होंने साहिबा, थोड़ा थोड़ा प्यार, और रूला के गया इश्क जैसे कई हिट गाने गाए हैं। वह एक बहुमुखी कलाकार हैं जिन्होंने बॉलीवुड के कई संगीतकारों और अभिनेताओं के साथ काम किया है।

एक फिल्म क्या फ्लॉप हुई? सब पीछे पड़ गए..., आमिर ने अनाउंस की अगली फिल्म हैप्पी पटेल

आमिर खान प्रोडक्शंस की अगली फिल्म का एलान हो गया है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट इस बार एक जासूसी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस। एक मजेदार अनाउंसमेंट वीडियो के साथ फिल्म का एलान किया गया है। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी वीर दास के कंधों पर है। इसमें वे लीड रोल भी अदा करेंगे। उनके साथ मोना सिंह नजर आएंगी।

आमिर खान ने एडवांस में दिया फैंस को न्यू ईयर गिफ्ट

आमिर खान ने अपने फैंस को न्यू ईयर का गिफ्ट एडवांस में दे दिया है। दरअसल, उनकी यह फिल्म जनवरी में रिलीज होने वाली है। आमिर खान प्रोडक्शंस के इंस्टाग्राम अकाउंट से अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, क्या बनाया से क्या बनाया तक कॉमेडी, एक्शन, रोमांस और कुछ जासूसी चीजों के वाइल्ड राइड के लिए तैयार हो जाइए। हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस। फिल्म की रिलीज डेट का एलान भी कर दिया गया है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस फिल्म के जरिए वीर दास निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म का टाइटल जितना मजेदार है, उतना ही मजेदार इसका अनाउंसमेंट वीडियो है। इसमें वीर दास और आमिर खान नजर आ रहे हैं। वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते दिखे हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज में दिखाने वाले हैं? आमिर को लगातार यह चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट पूरे अनाउंसमेंट वीडियो को मजेदार बना देता है।

वीर दास ने उड़ाया लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने का मजाक!

आमिर खान वीडियो में वीर दास से फिल्म को लेकर बात करते हैं। वीर दास जो भी बातें बताते हैं आमिर उन पर संदेह जताते जाते हैं और फिल्म फ्लॉप होने का डर उन्हें सताता है। इस पर वीर दास कहते हैं, लाल सिंह चड्ढा भी तो फ्लॉप हुई थी, जिस पर आमिर नाराज होकर वीर दास की पिटाई करने लगते हैं। मगर, थोड़ी ही देर में फिल्म की स्क्रीनिंग से लौटे दर्शक इसकी जमकर तारीफ करते हैं। इसके बाद आमिर खान खुद क्रेडिट लेते हुए वीर दास को गले लगा लेते हैं। वीडियो में यह हिंट भी मिला है कि वीर दास का फिल्म में आइटम नंबर भी है।

रणवीर सिंह का दर्जा बहुत ऊंचा है, वह जितने उम्दा एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी

नमित दास उन एक्टर्स में से हैं, जिन्होंने थिएटर, टीवी, फिल्मों और ओटीटी, चारों मोर्चे पर अपनी छाप छोड़ी है। फिर चाहे किरदार भले ही छोटा हो, नमित अपने अभिनय से उसे यादगार बनाने का हुनर जानते हैं। वेक अप सिड से लेकर सुई धागा और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्मों में सहयोगी भूमिकाओं में उनकी खूब तारीफ हुई। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी मिनी वेब सीरीज हमारा विनायक को लेकर, जिसमें वह लीड रोल में हैं। स्टार्ट अप की दुनिया और आस्था के मेल को दिखाती इस मिनी सीरीज के बारे में नमित ने खास बातचीत की है। इसके साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर किया है। वह कहते हैं कि रणवीर जितने बेहतरीन एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी।

नमित दास अपनी सीरीज को लेकर कहते हैं, आस्था और विश्वास का हमारे जीवन में अहम स्थान है। वक्त कितना भी बदल जाए, उस सर्वशक्तिमान के अस्तित्व से इनकार नहीं किया जा सकता। बस होता यह है कि अक्सर हम ईश्वर को बहुत ऊंचे दर्जे पर रख देते हैं, उन्हें पूज्यनीय बना देते हैं, मगर यह शो दिखाता है कि असल में वह हमारे इर्द-गिर्द ही हैं, हमारे दोस्त की तरह हमें दिशा दिखाते हैं और यह चीज मुझे बहुत पसंद आई।

ओवररेटेड होने से बेहतर है अंडररेटेड होना

अपनी पहली फिल्म वेक अप सिड में ही रणबीर कपूर के दोस्त ऋषि के रूप में यादगार भूमिका करने वाले नमित के अभिनय का फलक बेशक थिएटर, ओटीटी, टीवी हर जगह फैला हो, मगर फिल्मों में वह ज्यादार हीरो के दोस्त या रिश्तेदार के रूप में ही दिखे है। क्या उन्हें लगता है कि इंडस्ट्री ने उनके टैलंट के साथ न्याय नहीं किया और उन्हें एक छवि में बांध दिया है? इस पर नमित कहते हैं, पहले तो मुझे इस बात की खुशी है कि आपको लगता है कि मुझे और बेहतर रोल मिलने चाहिए थे, क्योंकि एक अंडररेटेड एक्टर होना एक ओवररेटेड एक्टर होने से हमेशा बेहतर है। असल में, हम एक्टर्स की जर्नी खुद के हाथ में नहीं होती पर मैं ऐसा इंसान हूं कि मेरे पास जो भी मौका आता है, उसका पूरा फायदा उठाता हूं तो मुझे किसी चीज का मलाल नहीं है। नमित ने आगे कहा, मैं ऐसे नहीं सोचता कि मुझे इंडस्ट्री ने यही रोल दिए। मेरी सोच ये रहती है कि जो मिले उसका पूरा फायदा उठाओ तो मुझे अपनी जर्नी पर गर्व है, मगर साथ ही मैं आगे भी बढ़ना चाहता हूं। मेरा सफर खत्म नहीं हुआ है। अब भी बहुत कुछ करने को बचा है। ऐसा नहीं है कि मैं 70 या 80 साल का हो गया हूं, करियर के आखिरी फेज में हूं। खुशकिस्मती से मैंने बहुत कम उम्र में एक्टिंग शुरू की थी तो मेरे पास काफी वक्त है और मेरा जो काम आने वाला है।

हर किरदार को पर्दे पर जिंदा कर देते हैं रणवीर

नमित ने अपने करियर में रणबीर कपूर से लेकर रणवीर सिंह जैसे एक्टर्स और मीरा नायर से लेकर करण जौहर जैसे निर्देशकों के साथ काम किया है। किसके साथ काम करना उनके लिए खास रहा? इस पर वह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के को-स्टार रणवीर सिंह का नाम लेते हैं। रणवीर की तारीफ करते हुए नमित कहते हैं, रणवीर सिंह बहुत उम्दा एक्टर हैं। वो स्टार भी बहुत बड़े हैं। एक्टर के तौर पर उनका दर्जा बहुत ऊंचा है। मेरी राय में वो जितने अच्छे एक्टर हैं, उतने ही अच्छे इंसान भी हैं। मुझे उनसे प्यार है। वह हर किरदार को ऐसे निभाते हैं जैसे उसे पर्दे पर जिंदा कर देते हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in